राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 21 अगस्त 2026 वर्ष-9,अंक-199 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

## दिल्ली एयरपोर्ट पर 68.53 लाख की बेहिसाब नकदी पकड़ी

**सीआईएसएफ ने दो यात्रियों को रोका, नकदी और यात्रा दस्तावेज आयकर विभाग को सौंपे**

**नई दिल्ली ।**

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो यात्रियों से करीब 68.53 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी बरामद की है। दोनों यात्रियों को 20 अगस्त को संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर रोका गया था। मामले में आगे की जांच के लिए दोनों यात्रियों को आयकर विभाग के अधिकारियों के हवाले कर दिया गया है।

सीआईएसएफ अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा कर्मियों की सतर्कता और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के बाद यह कार्रवाई की गई। शुरुआती तौर पर एक यात्री के व्यवहार पर संदेह होने पर उसे विस्तृत जांच के लिए चिह्नित किया गया। इसके बाद सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें उसके साथ यात्रा कर रहे दूसरे सहयात्री की भी पहचान हुई। अधिकारियों ने बताया कि दोनों यात्री गुवाहाटी जा रहे थे और इसके बाद उन्हें अगरतला के लिए आगे की यात्रा करनी थी। दोनों के सामान की गहन जांच की गई, जिसमें कुल 68 लाख 53 हजार 500 रुपये की नकदी बरामद हुई। सीआईएसएफ ने नकदी के संबंध में यात्रियों से पूछताछ की। इसके बाद बरामद राशि, यात्रियों का सामान और यात्रा से संबंधित दस्तावेज आगे की कार्रवाई के लिए आयकर विभाग को सौंप दिए गए। सीसीटीवी फुटेज से दूसरे यात्री तक पहुंची टीम सीआईएसएफ के मुताबिक, पहले एक यात्री की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुईं। विस्तृत जांच की प्रक्रिया शुरू होने के बाद सुरक्षा कर्मियों ने सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा की। फुटेज के आधार पर उसके साथ मौजूद दूसरे यात्री की पहचान कर उसे भी जांच के दायरे में लिया गया। दोनों यात्रियों के सामान की तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के बाद आयकर विभाग को सूचना दी गई। अब विभाग नकदी के स्रोत और इससे जुड़े अन्य पहलुओं की जांच करेगा।

## बीसीआई चेयरमैन के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में वकीलों का प्रदर्शन

**- वकीलों के कल्याण, सुरक्षा और कानून छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर उठाई आवाज**

**- बीसीआई कार्यालय के बाहर बढ़ाई गई सुरक्षा**

**नई दिल्ली ।**

बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में वकीलों का विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। ऑल इंडिया यंग एडवोकेट्स एसोसिएशन के नेतृत्व में हो रहे प्रदर्शन को कॉकरोच जनता पार्टी ने भी समर्थन दिया है। विरोध को देखते हुए बार काउंसिल ऑफ इंडिया के कार्यालय के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया है।

यह प्रदर्शन एनएएलएसएआर विवाद की पृष्ठभूमि में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रदर्शनकारी वकीलों ने बीसीआई नेतृत्व पर अधिवक्ताओं और कानून के छात्रों के हितों से जुड़े मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है।

प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ता उमेश कुमार ने बीसीआई चेयरमैन पर वकीलों और कानून के छात्रों के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देशभर में अधिवक्ताओं के साथ होने वाली घटनाओं और उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है। उमेश कुमार ने आरोप लगाया कि वकीलों पर हमले की घटनाएं सामने आने के बावजूद बीसीआई की ओर से अपेक्षित स्तर पर प्रतिक्रिया नहीं दी गई। उन्होंने हाल में हैदराबाद में एक वरिष्ठ अधिवक्ता की मौत का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में भी संगठन के शीर्ष नेतृत्व की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। राजनीतिक गतिविधियों को लेकर भी लगाए आरोप अधिवक्ता उमेश कुमार ने आरोप लगाया कि वकीलों के हित और कल्याण से जुड़े मामलों पर बीसीआई नेतृत्व अपेक्षाकृत मौन रहता है, जबकि राजनीतिक मुद्दों में अधिक सक्रिय दिखाई देता है। उन्होंने बीसीआई के आधिकारिक पत्रों के कथित दुरुपयोग का आरोप भी लगाया। प्रदर्शनकारियों ने बीसीआई चेयरमैन से अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की और संगठन के कामकाज में अधिक पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई।

## जेन-अल्फा गुस्से में, बीच रास्ते में विधायक को रोक की सड़क बनाने की मांग

**बस्ती।**

यूपी के बस्ती जिले के रुधौली क्षेत्र में भी जेन-अल्फा ने रास्ते में जलभराव की समस्या को लेकर वहां से गुजर रहे समाजवादी पार्टी विधायक राजेंद्र चौधरी के काफिले को रोक लिया। बच्चों ने विधायक को समस्या दिखाई और उसे दूर कराने की मांग की। विधायक चौधरी ने वहीं से अधिकारियों से बात की और आश्वस्त किया कि जल्द ही समस्या का समाधान हो जाएगा। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने विधायक को वहां से जाने दिया। विधायक चौधरी ने बताया कि बच्चों की समस्याएं सुनी। सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनकी दिक्कतों का निराकरण किया जाए। बस्ती के मुड़ाडिहा उर्फ भोपालपुर हनुमानगंज की तरफ जाने वाले सरयू नहर खंड चार नहर मार्ग पर खड़ंजा लगाया गया है। बता दें बारिश के मौसम में इस रास्ते पर जलभराव हो गया है।

# परिचालन,रक्षा उपकरण और उद्योग के लिए भारत-जापान कार्य समूह का होगा गठन

**नई दिल्ली।**

भारत और जापान ने एक कार्य समूह स्थापित करने पर सहमति जताई है। इस कार्य समूह की अध्यक्षता दोनों देशों के महानिदेशक यानी संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी करेंगे। यह कार्य समूह ऑपरेशनल, खुफिया, रक्षा उपकरण, प्रौद्योगिकी और रक्षा उद्योग से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग को एक साथ आगे बढ़ाने में मदद करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने 20 अगस्त को नई दिल्ली में एक संयुक्त बयान इसकी जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि यह समूह दोनों रक्षा मंत्रियों की ओर से तय सहयोग के क्षेत्रों में समग्र समन्वय करेगा। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में तालमेल बढ़ाएगा और परियोजनाओं को तेजी से लागू करने में मदद करेगा। गौरतलब है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापानी रक्षा मंत्री शिन्जिरो कोइजुमी ने गुरुवार को नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक की। इसी बैठक में ये महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। दोनों देश समुद्री जहाज निर्माण के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। इससे भारत को जापान की तकनीक का फायदा मिलेगा। रक्षा मंत्रियों ने समुद्री जहाज पर लगाए जाने वाले यूनिकॉर्न एकीकृत संचार एंटीना तंत्र से जुड़ी परियोजना को महत्वपूर्ण बताया। यह दोनों देशों के बीच रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की पहली परियोजना है। दोनों पक्षों ने इसे भारत-जापान रक्षा सहयोग की गहराती साझेदारी का प्रतीक बताया है। दोनों देशों ने इस परियोजना को जल्द पूरा करने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता भी जताई। भारत व जापान ने रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अन्य परियोजनाओं पर भी चर्चा आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। इसके साथ ही डीआरडीओ और जापानी एटीएलए के बीच अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में रक्षा अनुसंधान एवं विकास सहयोग को और मजबूत किया जाएगा। दोनों देशों ने रक्षा उद्योग मंच आयोजित करने पर भी सहमति जताई। दोनों मंत्रियों ने इस साल फरवरी में हुए भारत, जापान और इंडोनेशिया के पहले त्रिपक्षीय नौसैनिक पासेक्स अभ्यास का स्वागत किया है। हिंद-प्रशांत को व्यापक दृष्टिकोण से देखते हुए क्षेत्र और दुनिया में शांति एवं स्थिरता के लिए तीसरे देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही गई है। इसमें उच्चस्तरीय वार्ताएं, सैन्य अभ्यास और अन्य संबंधित पहल शामिल होंगी। भारत व जापान के बीच हिंद-प्रशांत लॉजिस्टिक नेटवर्क के माध्यम से सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति है। इस नेटवर्क का इस्तेमाल प्राकृतिक आपदा के समय साझेदार देशों तक लोगों और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए किया जाएगा। दोनों ने सितंबर में जापान के रक्षा मंत्रालय में होने वाले इस नेटवर्क के दूसरे टेबलटॉप अभ्यास का स्वागत किया। दोनों देशों ने जरूरत पड़ने पर सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए

आपसी विचार-विमर्श जारी रखने पर भी सहमति जताई। बैठक से पहले जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर भारत के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्हें तीनों सेनाओं की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जापानी रक्षा मंत्री ने बुधवार को मुंबई स्थित पश्चिमी नौसेना कमान का भी दौरा किया था। यहां वह भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस चेन्नई पर गए थे। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों देशों के बीच हुई यह बैठक रक्षा सहयोग को नई दिशा देने वाली रही।

# नई जंग-भारत-पाकिस्तान के बीच दूतावास के बाहर बने ढांचे तोड़ने की होड़

**नई दिल्ली।**

भारत और पाकिस्तान के बीच नई जंग शुरू हो गई है। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास के बाहर बने अनाधिकृत ढांचों और अतिक्रमण पर बुल्डोजर चलाकर उसकी सफाई की गई। इससे पहले पाकिस्तान ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय दूतावास के पास बने कुछ निर्माण कार्यों को हटाया था। इस तरह दोनों देशों के बीच ढांचा हटाओ की होड़ लगी हुई है। ये ढांचे हाई कमीशन के वीजा सेक्शन के पास और निर्धारित परिसर की सीमा से बाहर बताए जा रहे हैं। संबंधित एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए इन संरचनाओं को साफ कर दिया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले इस्लामाबाद स्थित भारतीय हाई कमीशन के बाहर लगे पार्किंग पोल पाकिस्तान ने हटा दिए थे। ऐसे में दिल्ली में हुई कार्रवाई को उसी का जवाब माना जा रहा है। हालांकि भारतीय कार्रवाई का आधिकारिक आधार अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण बताया गया है।भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर दोनों देश पहले भी एक-दूसरे के राजनयिक मिशनों से जुड़ी सुविधाओं पर प्रशासनिक कदम उठाते रहे हैं। इनमें राजनयिक कर्मचारियों की संख्या घटाना, आवाजाही सीमित करना और मिशन से जुड़ी सुविधाओं पर प्रतिबंध शामिल रहे हैं। ताजा

घटनाक्रम को भी इसी सिलसिले की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। रिश्तों में तनाव की बड़ी वजह आतंकवाद दोनों देशों के संबंधों में मौजूदा तनाव की प्रमुख वजह सीमा पार आतंकवाद है। अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद स्थिति और बिगड़ गई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। जवाबी कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच गंभीर सैन्य तनाव पैदा हुआ और बाद में संघर्ष विराम हुआ।

## दिव्यांग युवक ने 12वीं मंजिल से लगाई छलांग

**-मौत से पहले का वीडियो सामने आने के बाद आरोपी महिला गिरफ्तार**

**पुणे।**

महाराष्ट्र के पुणे में 26 वर्षीय दिव्यांग युवक की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, युवक ने कथित मानसिक प्रताड़ना, पैसों की जबरन वसूली और झूठे आरोपों से परेशान होकर अपनी जान दी। घटना से पहले रिकॉर्ड किया गया उसका वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आया है।

मामला भोसरी स्थित डिस्टिनेशन क्षितिज सोसायटी का है। पुलिस के मुताबिक, विनोद पेमाराम चौधरी ने 12वीं मंजिल की छत से छलांग लगाकर आत्महत्या की। घटना 27 जुलाई से 8 अगस्त के बीच की बताई गई है। पुलिस ने घटना के करीब 22 दिन बाद मामले में आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। युवक के परिजनों का आरोप है कि उसे लगातार मानसिक रूप से परेशान किया गया और उससे पैसे की मांग की गई। साथ ही उसके खिलाफ झूठे आरोप लगाए जाने का भी दावा किया गया है। पुलिस अब युवक के आखिरी वीडियो, मोबाइल फोन और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

## मशहूर अभिनेती पवित्र गौड़ा के पूर्व पति का निधन,हत्या के आरोप में काट रही हैं सजा

**बेंगलुरु।**

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के लोकप्रिय अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा के पूर्व पति संजय सिंह का निधन हो गया है। उनके निधन की जानकारी कई महीनों बाद सामने आई है। पवित्रा गौड़ा अभी रेणुकास्वामी मर्डर मामले के सिलसिले में हिरासत में हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक संजय सिंह की मौत करीब सात या आठ महीने पहले हुई थी।

बताया जा रहा है कि राजस्थान में लिवर से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उनकी मौत हुई थी।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा से शादी टूटने के बाद संजय सिंह को शराब की लत लग गई थी। पवित्रा गौड़ा और संजय सिंह का 2013 में तलाक हो गया था।

पवित्रा अभी बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा जेल में बंद हैं। वह रेणुकास्वामी हत्या में आरोपी हैं।

यह मामला रेणुकास्वामी की मौत से जुड़ा है और इसमें कई आरोपी शामिल हैं। कन्नड़ अभिनेता दर्शन पर भी इस मामले में आरोप लगे हैं। प्रॉसिक्यूशन ने पवित्रा गौड़ा को मुख्य आरोपी बताया गया है। कर्नाटक में इसकी जांच पर काफी ध्यान दिया जा रहा है। हिरासत में पवित्रा गौड़ा को भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या का सामना करना पड़ा है। पुलिस पूछताछ में उन्हें चक्कर आने की शिकायत हुई। बताया जा रहा है कि उन्हें इलाज के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

# खुलासे के लिए मजबूर न करें सारे सबूत हैं मेरी टेबल पर-सीएम विजय

**- विधानसभा में भ्रष्टाचार के आरोपों पर तीखी बहस, मुख्यमंत्री बोले- सही समय पर रिपोर्ट सार्वजनिक करूंगा**

**चेन्नई।**

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने विधानसभा में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर विपक्ष को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने दावा किया कि तीन सरकारी विभागों में कथित भ्रष्टाचार से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट और सबूत उनकी मेज पर हैं। मुख्यमंत्री ने डीएमके के पूर्व मंत्रियों और विधायकों से कहा कि उन्हें इन फाइलों को सार्वजनिक करने के लिए मजबूर न किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह उचित समय आने पर इन रिपोर्टों का खुलासा करेंगे। विधानसभा में बुधवार को यह मामला उस समय गरमा गया, जब डीएमके विधायकों ने जल संसाधन मंत्री एन. आनंद की टिप्पणियों का विरोध किया। आनंद ने पिछली सरकार की आवास योजना में कथित तौर पर बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि योजना के तहत अयोग्य लोगों को भी मकान आवंटित किए गए। मंत्री ने ये

आरोप पूर्व मंत्री आई. पेरियासामी के 'कलैगनार कनावु इल्लम थिट्टम' पर दिए जा रहे भाषण के दौरान लगाए। सबूत मांगने पर सीएम ने किया पलटवार बहस के दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री ए. राजमोहन ने आरोप लगाया कि जब भी भ्रष्टाचार से जुड़े सबूत सामने आते हैं, डीएमके विधायक चुप हो जाते हैं।

# मणिपुर में 20 से 22 अगस्त तक बंद रहेंगे सभी स्कूल-कॉलेज

**- कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सरकार का फैसला, परिसीमन और एनआरसी के मुद्दे पर 48 घंटे की हड़ताल जारी**

**इंफाल।**

मणिपुर सरकार ने राज्य में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सभी स्कूल, कॉलेज और उच्च शिक्षण संस्थानों को 20 से 22 अगस्त तक बंद रखने का आदेश जारी किया है। शिक्षा विभाग की ओर से बुधवार को जारी आदेश में सरकारी, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त सभी शिक्षण संस्थानों को इस अवधि में बंद रखने की घोषणा की गई है।

आदेश के मुताबिक, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) या अन्य बोर्ड से संबद्ध स्कूलों के साथ-साथ कॉलेजों और विश्वविद्यालयों पर भी यह आदेश लागू होगा। सरकार ने यह निर्णय राज्य में बनी मौजूदा परिस्थितियों और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लिया है। इस बीच, राज्य में जनगणना प्रक्रिया शुरू होने से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को अपडेट करने और परिसीमन प्रक्रिया को लेकर 'कैम्पेन फॉर जस्ट एंड फेयर डीलिमिटेशन' (जेएफडी) की ओर से बुलाई गई 48 घंटे की आम हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही। घाटी के विभिन्न जिलों में प्रदर्शनकारियों ने रैलियां निकालीं और कई स्थानों पर नेताओं के पुतले जलाए।

सरकारी कार्यालयों के बहिष्कार का ऐलान

जेएफडी ने अपने आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए गुरुवार से सरकारी कार्यालयों के बहिष्कार का आह्वान किया है। संगठन की मांग है कि जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी को अपडेट किया जाए और परिसीमन की प्रक्रिया को लेकर उचित एवं न्यायपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इंफाल पूर्व जिले के खुरई लामलोंग इलाके में प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह और गृह मंत्री गोविंददास कोंथौजम के पुतले जलाए। इसके अलावा घाटी के अन्य हिस्सों में भी प्रदर्शन और

रैलियां आयोजित की गईं। राज्य में जारी आंदोलन और कानून-व्यवस्था से जुड़ी परिस्थितियों के बीच सरकार के स्कूल-कॉलेज बंद रखने के फैसले से शैक्षणिक गतिविधियां तीन दिन तक प्रभावित रहेंगी। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

# उज्जवल भविष्य की ऊर्जा हाइड्रोजन बस में, सफर

(लेखक- विनोद सिंह 'तकियावाला')

*- भविष्य की ऊर्जा हमारे साथ चल रही थी अटल अक्षय ऊर्जा भवन से ग्रेटर नोएडा के NETRA तक एक यात्री की आँखों-देखी*

आज का दिन मेरे लिए केवल एक यात्रा का दिन नहीं है। यह उस भविष्य की यात्रा है जिसकी चर्चा हम वर्षों से कागजों, सम्मेलनों और सरकारी योजनाओं में करते आए हैं। आज मैं स्वयं उस भविष्य उज्जवल ऊर्जा हाइड्रोजन बस का एक यात्री हूँ। नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित अटल अक्षय ऊर्जा भवन से ग्रेटर नोएडा स्थित **NETRA** तक भविष्य की ऊर्जा हाइड्रोजन ऊर्जा से संचालित बस थी। बस में बैठते ही मन में पहला विचार यही आया कि जिस ऊर्जा परिवर्तन की बातें हम रोज करते हैं वह अब केवल प्रयोगशाला या नीति-पत्रों तक सीमित नहीं रह गया है। वह हमारे सामने सड़क पर चल रहा है और आज हम उसी में बैठकर अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहे हैं। अटल अक्षय ऊर्जा भवन से इस यात्रा का प्रारम्भ होना भी अपने आप में महत्वपूर्ण है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का मुख्यालय इसी भवन में है। यही वह संस्थागत परिसर है जहाँ देश की अक्षय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन से जुड़ी नीतियों और योजनाओं को दिशा मिलती है। एक तरफ नीति का केंद्र और दूसरी तरफ उसी नीति से निकलकर सड़क पर दौड़ती हाइड्रोजन बस। इस संयोग ने यात्रा को मेरे लिए और भी अर्थपूर्ण बना दिया। बस धीरे-धीरे आगे बढ़ती है। सामान्य बसों की तरह इंजन की तेज आवाज नहीं। धुएँ का कोई गुबार नहीं। सड़क वही है। यातायात वही है। दिल्ली की वही भागदौड़ है। फर्क केवल इतना है कि इस बस की ऊर्जा का चरित्र अलग है। यही अंतर इस यात्रा को विशेष बना देता है। पेट्रोल और डीजल आधारित परिवहन ने देश की आर्थिक और सामाजिक गति को तेज किया है। इसके साथ वायु प्रदूषण और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता की चुनौती भी हमारे सामने खड़ी हुई है। ऐसे समय में हाइड्रोजन आधारित परिवहन एक नए विकल्प के रूप में दिखाई देता है। फ्यूल सेल आधारित हाइड्रोजन वाहन में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की विद्युत- रासायनिक प्रक्रिया से बिजली उत्पन्न होती है। यही बिजली वाहन को चलाती है। इस प्रक्रिया का प्रमुख उप-उत्पाद पानी होता है। यानी जिस बस में हम बैठे हैं वह यात्रियों को लेकर सड़क पर दौड़ रही है मगर पारंपरिक ईंधन से निकलने वाला धुआँ इसके पीछे नहीं है। एक यात्री के लिए इस तकनीक को समझने का इससे सरल तरीका शायद कोई दूसरा नहीं हो सकता। भारत ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत परिवहन क्षेत्र में पायलट परियोजनाओं को गति दी है। जुलाई 2026 में 12 पायलट परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया है। इनके तहत 21 मार्गों पर 70 हाइड्रोजन चालित वाहनों को लगाया जाना है। इनमें 27 बसें और 43 ट्रक शामिल हैं। इसके साथ 16 हाइड्रोजन रिफ्यूलिंग स्टेशन स्थापित किए जाने हैं। इन परियोजनाओं के लिए लगभग 410.77 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता निर्धारित की गई है। इन मार्गों में ग्रेटर नोएडा-दिल्ली- आगरा मार्ग भी शामिल है। इस तथ्य से आज की यात्रा का महत्व और बढ़ जाता है। जिस तकनीक की चर्चा सरकारी योजनाओं में हो रही है उसी तकनीक में आज हम यात्री बनकर दिल्ली से ग्रेटर नोएडा की ओर बढ़ रहे हैं। आँकड़ों की अपनी भाषा होती है। मगर कभी-कभी एक यात्रा हजारों शब्दों से अधिक कह देती है। आज की यह यात्रा उन्हीं आँकड़ों को आँखों-देखा अनुभव बना रही है। दिल्ली की सड़कों को पीछे छोड़ते हुए बस ग्रेटर नोएडा की ओर बढ़ती है। बाहर सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें हैं। कहीं निर्माण कार्य है। कहीं सामान्य यातायात का शोर है। मगर इस सबके बीच हमारी बस का सफर अपेक्षाकृत शांत है। मेरे मन में एक सवाल बार-बार उठता है कि आखिर इस बस की ऊर्जा आती कहाँ से है?यही सवाल हमें **NETRA** तक ले जाता है। ग्रेटर नोएडा स्थित **NTPC** के **NETRA** परिसर में हाइड्रोजन मोबिलिटी और ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन से जुड़ा बुनियादी ढाँचा विकसित किया गया है। यहाँ जल को शुद्ध करके इलेक्ट्रोलिसिस की प्रक्रिया के माध्यम से हाइड्रोजन तैयार करने की व्यवस्था है। इसके बाद हाइड्रोजन को शुद्ध किया जाता है। उसे संपीड़ित और संग्रहित किया जाता है तथा फिर वाहनों में ईंधन के रूप में भरा जाता है। यानी सड़क पर दौड़ती बस के पीछे एक पूरा ऊर्जा तंत्र काम करता है। हाइड्रोजन बस केवल एक वाहन नहीं है। इसके पीछे उत्पादन है। शुद्धिकरण है। संपीड़न है। भंडारण है। रिफ्यूलिंग स्टेशन है। सुरक्षा व्यवस्था है। प्रशिक्षित मानव संसाधन है और सबसे महत्वपूर्ण है स्वच्छ ऊर्जा की वह सोच जो इस पूरी व्यवस्था को जोड़ती है। ऊर्जा परिवर्तन को हम अक्सर मेगावाट, गीगावाट, उत्पादन क्षमता, निवेश और कार्बन उत्सर्जन के आँकड़ों से समझते हैं। मगर आज बस की एक सीट पर बैठे हुए मुझे लगा कि ऊर्जा परिवर्तन का असली अर्थ इससे कहीं अधिक मानवीय है। किसी भी यात्रा में एक यात्री की पहली अपेक्षा है कि बस सुरक्षित हो। दूसरी अपेक्षा है कि सफर आरामदायक हो। तीसरी अपेक्षा है कि जिस हवा में हम साँस लेते हैं उस पर यात्रा का बोझ कम से कम पड़े। हाइड्रोजन आधारित परिवहन इन अपेक्षाओं को पूरा करने की क्षमता रखता है। मगर किसी भी नई तकनीक के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही होता है कि वह प्रयोगशाला से निकलकर बड़े पैमाने पर आम आदमी तक कब और कैसे पहुँचेगी। यही कारण है कि पायलट परियोजनाएँ महत्वपूर्ण हैं। इनके माध्यम से वास्तविक परिस्थितियों में वाहन की क्षमता, प्रदर्शन, सुरक्षा, रिफ्यूलिंग व्यवस्था और आर्थिक व्यवहार्यता को समझा जा रहा है। आज की हमारी यात्रा इसी सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है। हाइड्रोजन बस सड़क पर चल रही है। मगर मन में कई सवाल भी साथ चल रहे हैं। हाइड्रोजन कैसे बनेगी। किस ऊर्जा से बनेगी। इसकी लागत कितनी होगी। कहाँ-कहाँ रिफ्यूलिंग स्टेशन बनेंगे। वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था कैसी होगी। बड़े पैमाने पर उत्पादन होने पर इसकी कीमत कितनी होगी। इन सवालों के साथ उम्मीद की एक नई किरण भी दिखाई देती है। क्योंकि हाइड्रोजन के पीछे केवल एक बस नहीं है। इसके पीछे पूरी ऊर्जा व्यवस्था को बदलने की संभावना है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का उद्देश्य भारत को हरित हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाना है। मिशन के लिए कुल 19,744 करोड़ रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है। इसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और इससे जुड़े पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करना है। परिवहन क्षेत्र की पायलट परियोजनाएँ इसी बड़े लक्ष्य की प्रयोगात्मक कड़ी हैं। इसका अर्थ है कि आज जिस बस में हम यात्री बनकर बैठे हैं वह अकेली बस नहीं है। वह भारत के ऊर्जा परिवर्तन की एक चलती-फिरती प्रयोगशाला है। अटल अक्षय ऊर्जा भवन से हृश्वअक्रतक की यह यात्रा अपने आप में प्रतीकात्मक भी है। एक तरफ नीति और योजना का केंद्र। दूसरी तरफ तकनीक का प्रयोग और प्रदर्शन करने वाला परिसर। और इनके बीच सड़क पर दौड़ती हाइड्रोजन बस। मानो नीति से तकनीक और तकनीक से जनता तक ऊर्जा परिवर्तन की पूरी यात्रा हमारी आँखों के सामने हो रही हो। भारत ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार किया है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बैटरी स्टोरेज, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और अब हरित हाइड्रोजन मिलकर देश के ऊर्जा भविष्य की नई तस्वीर बना रहे हैं। हाइड्रोजन का महत्व इसलिए भी बढ़ता है क्योंकि परिवहन के प्रत्येक क्षेत्र के लिए एक ही तकनीक पर्याप्त समाधान नहीं हो सकती। लंबी दूरी और भारी परिवहन के कुछ क्षेत्रों में हाइड्रोजन एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकता है। आज बस में बैठे हुए यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या आने वाले वर्षों में दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और देश के दूसरे शहरों की सड़कों पर ऐसी बसें सामान्य रूप से दिखाई देंगी। इसका उत्तर आज देना जल्दबाजी होगी। तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाने से पहले लागत, हाइड्रोजन की उपलब्धता, रिफ्यूलिंग नेटवर्क, वाहनों की विश्वसनीयता, सुरक्षा और आर्थिक व्यवहार्यता जैसे अनेक पहलुओं को लगातार परखा जाना है। मगर दिशा स्पष्ट है। 21 मार्गों पर 70 हाइड्रोजन चालित वाहनों और 16 रिफ्यूलिंग स्टेशनों की योजना यह बताती है कि भारत इस तकनीक को केवल चर्चा का विषय बनाकर नहीं रखना चाहता। हाइड्रोजन आधारित परिवहन भारत के लिए बिल्कुल नया विचार नहीं है। वर्ष 2023 में देश की पहली ग्रीन हाइड्रोजन फ्यूल सेल बस को दिल्ली के कर्तव्य पथ से रवाना किया गया था। उस समय यह तकनीक भविष्य की संभावना के रूप में हमारे सामने थी। आज वर्ष 2026 में उसी भविष्य की तकनीक में बैठकर दिल्ली से ग्रेटर नोएडा तक सफर करना अपने आप में एक अलग अनुभव है। मार्च 2025 में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत पाँच परिवहन पायलट परियोजनाओं में 37 हाइड्रोजन चालित बसों और ट्रकों तथा नौ हाइड्रोजन रिफ्यूलिंग स्टेशनों को मंजूरी दी गई थी। अब जुलाई 2026 में पायलट परियोजनाओं का विस्तार 70 वाहनों, 21मार्गों और 16 रिफ्यूलिंग स्टेशनों तक पहुँचना बताता है कि देश इस तकनीक को प्रयोगशाला से सड़क तक लाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सड़क परिवहन के साथ रेल क्षेत्र में भी हाइड्रोजन तकनीक को आजमाया जा रहा है। इसका अर्थ साफ है कि स्वच्छ हाइड्रोजन को भविष्य की परिवहन व्यवस्था के एक संभावित महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। ऊर्जा का अर्थ केवल बिजली पैदा करना नहीं है। ऊर्जा का अर्थ है विकास की गति। आर्थिक आत्मनिर्भरता। रोजगार। पर्यावरण सुरक्षा और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य। इसीलिए आज की यह यात्रा मेरे लिए एक साधारण बस यात्रा नहीं है। बस की खिड़की से बाहर बदलता हुआ दिल्ली- एनसीआर दिखाई देता है। भीतर बैठकर लगता है कि भारत अपनी ऊर्जा यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। कभी भाप का इंजन औद्योगिक क्रांति का प्रतीक था। फिर पेट्रोल और डीजल ने सड़क परिवहन की दुनिया बदल दी। बिजली ने परिवहन को नया विकल्प दिया। अब हाइड्रोजन उस परिवर्तन की अगली कड़ी के रूप में सामने है। मगर इस परिवर्तन की असली परीक्षा तकनीक नहीं बल्कि उसका आम आदमी तक पहुँचना है। यदि हाइड्रोजन से चलने वाली बसें सुरक्षित, विश्वसनीय, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और बड़े पैमाने पर उपलब्ध हो सकीं तो सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में यह बड़ा परिवर्तन ला सकती हैं। इससे भी बड़ी बात यह होगी कि हमारी ऊर्जा व्यवस्था धीरे-धीरे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता से स्वच्छ ऊर्जा की ओर आगे बढ़ेगी। हृश्वअक्रकी ओर बढ़ते हुए मेरे मन में यही विचार है कि किसी तकनीक की सफलता का अंतिम पैमाना केवल उसकी मशीन नहीं होती। असली सफलता तब होती है - जब वह आम आदमी की जिंदगी को बेहतर बनाए। आज हम एक यात्री हैं। कल शायद हमारे बच्चे ऐसी बसों में रोज सफर करेंगे।

संपादकीय

## अस्पताल में खौफ

कोई भी अस्पताल बीमार व अशक्त लोगों के जीवन की अंतिम किरण होती है। एक विश्वास का प्रतीक कि वहां से स्वस्थ होकर लौटेंगे। तरह-तरह के रोगों से पीड़ितों का अस्पताल पर भरोसा होता है कि वहां पहुंचकर उनका जीवन सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन यदि किसी अस्पताल में उपचार के लिये गई महिला के साथ जांच के नाम पर दुराचार हो और वीभत्स कृत्य उसे मौत के मुंह में धकेल दे तो इससे ज्यादा व भयावह कुछ नहीं हो सकता। यह घटना लाखों मजबूर-बीमार लोगों तथा महिलाओं के भरोसे को तोड़ती है, जब यह पता चलता है कि वीभत्स घटना एक सरकारी अस्पताल में हुई है। हरियाणा के पानीपत स्थित अस्पताल के सीटी स्कैन रूम में एक 58 साल की महिला के साथ हुए दुराचार और उसके बाद रोहतक के पीजीआईएमएस में उपचार के दौरान उसकी मौत ने लाखों लोगों के भरोसे को भी तोड़ा है। निस्संदेह, कानून अपना काम करेगा, पुलिस की जांच अपराधी को सख्त दंड दिलाने में मददगार होगी, लेकिन इस घटना ने संस्थागत सुरक्षा इंतजामों की चिंताजनक नाकामी को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। सबसे अधिक विचलित करने वाली बात यह है कि आरोपी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तरह अस्पताल की सीटी स्कैन और एमआरआई यूनिट चलाने वाली एक प्राइवेट कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करता था। लेकिन सवाल यह उठता है कि वह कथित तौर पर सीटी स्कैन टेक्नीशियन का काम कैसे कर रहा था? निस्संदेह, सरकारी अस्पताल के अंदर इस तरह से दायित्वों की भूमिका में बदलाव होना व्यवस्था की ऐसी नाकामियों की तरफ इशारा करता है, जो किसी व्यक्ति के कुकृत्य से कहीं अधिक आगे की बात है। निस्संदेह, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना अस्पताल व अन्य सार्वजनिक संस्थानों में देख-रेख, कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों के पालन और जवाबदेही को लेकर विचलित करने वाले सवाल खड़े करती है। ऐसा प्रतीत होता है कि अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा के बुनियादी नियम-कानून एक साथ निरर्थक हो गए हैं। सवाल यह है कि पहले ही रोगों, शारीरिक जीर्णता, मानसिक तनावों से गुजर रहे लोगों की सुरक्षा हेतु क्या कोई कायदे-कानून नहीं हैं? उनकी सुरक्षा महज राम भरोसे है? सरकारी अस्पतालों में मरीजों को कितने धक्के खाने पड़ते हैं और पक्की नौकरी वालों का आमतौर पर मरीजों से व्यवहार कैसा होता है, वह सर्वविदित है। पीड़िता के परिजनों ने आरोप लगाया कि उन्हें मरीज के साथ स्कैन-रूम में नहीं जाने दिया गया। वहां कोई महिला स्टॉफ मौजूद नहीं थी। दुर्भाग्य से महिला मरीज को ऐसे व्यक्ति के भरोसे छोड़ दिया गया, जिसे वास्तव में वहां खड़े रहने का भी हक नहीं था। ये चिकित्सा प्रक्रिया की कोई मामूली चूक नहीं है। ऐसी खामी में शोषण का खतरा लगातार बना रहेगा। विगत में भी कई ऐसी घटनाओं ने पूरे देश का ध्यान खींचा, जहां महिलाओं के साथ यौन हिंसा हुई। वर्ष 1973 में मुंबई के केईएम अस्पताल में नर्स अरुणा शानबाग के साथ जानलेवा यौन-हिंसा हुई थी। इसी तरह की कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कालेज की दुखद घटना, जिसमें यौन हिंसा से मेडिकल की छात्रा की मौत हुई थी। विडंबना यह कि घटना का जमकर राजनीतिक दोहन तो होता है, लेकिन लोगों का गुस्सा कम होते ही सुधार के वायदे भी हवा हो जाते हैं। एक बार फिर पानीपत की दुखद घटना ने बताया है कि हमारे नीति-नियंताओं की याददाश्त बहुत कमजोर होती है। निश्चित रूप से पानीपत में हुई वीभत्स घटना को महज एक अपराध की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इस घटना के मद्देनजर मरीजों की सुरक्षा से जुड़े नीतिगत फैसलों में बदलाव लाया जाना चाहिए। ऐसे अस्पताल व सार्वजनिक सेवा केंद्रों से जुड़े, प्रत्येक आउटसोर्स किए गए विकल्पों की समीक्षा की जानी चाहिए।

# बदलती सामाजिक संवेदनाओं में वृद्धों को चाहिए उजाले

(लेखक- ललित गर्ग / ईएमएस)

(विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस-21 अगस्त, 2026)

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस समाज के अंतर्मन को झकझोरने एवं वृद्धों की त्रासद स्थितियों पर सोचने को विवश करता है कि जिन हाथों ने परिवार की नींव रखी, जिन कंधों ने बच्चों के भविष्य का भार उठाया और जिन अनुभवों ने जीवन की अनेक कठिन राहों को पार करने में अगली पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया, उन्हीं वृद्ध माता-पिता को जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलापन, उपेक्षा, असुरक्षा और अपमान क्यों झेलना पड़ रहा है? निश्चित ही कहीं-न-कहीं हमारी सामाजिक संवेदना कमजोर हुई है। जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान सहज संस्कार होना चाहिए था, वहां उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए अलग से दिवस मनाना हमारी सामूहिक आत्मचिंता का विषय है। भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी की ओर बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो सकती है; यानी हर पांच भारतीयों में लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा। यह केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती है। अधिक उम्र तक जीना मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन यदि लंबी आयु के साथ अकेलापन, बीमारी, आर्थिक असुरक्षा और भावनात्मक उपेक्षा जुड़ जाए तो दीर्घ जीवन वरदान के बजाय बोझ जैसा अनुभव होने लगता है।

भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं। उनके पास रहने को छत है, लेकिन संवाद के लिए कोई अपना नहीं; परिवार है, लेकिन समय नहीं; संतान है, लेकिन अपनापन कम होता जा रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस वृद्ध ने जीवनभर परिवार को अपने केंद्र में रखा, सेवानिवृत्ति के बाद वही परिवार उसे अपने केंद्र से बाहर करने लगता है। नौकरी में रहते हुए जिस व्यक्ति की सलाह महत्वपूर्ण थी, नौकरी से मुक्त होते ही उसकी उपयोगिता जैसे समाप्त मान ली जाती है।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इसी बदलती सामाजिक संरचना का संकेत है। हर वृद्धाश्रम दुख की कहानी नहीं है; कुछ स्थानों पर वे अकेले और असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षा और देखभाल का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। लेकिन जब वृद्धाश्रम उन माता-पिता का अंतिम ठिकाना बन जाए जिन्हें सक्षम संतान केवल इसलिए घर से दूर कर देती है कि वे आधुनिक जीवन की सुविधाओं के बीच 'असुविधा' बन गए हैं, तब प्रश्न केवल परिवार का नहीं, पूरे समाज के संस्कारों का बन जाता है। संपत्ति अपने नाम कराने के बाद माता-पिता से दूरी बना लेना, उनकी बीमारी को बोझ समझना या उन्हें केवल घरेलू जिम्मेदारियों के लिए उपयोग करना ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिन पर समाज को गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। यह भी सच है कि वृद्धावस्था की समस्या केवल युवाओं की संवेदनहीनता से पैदा नहीं होती। वरिष्ठ नागरिकों को भी बदलते समय के साथ स्वयं को बदलना होगा। नई पीढ़ी की स्वतंत्रता, निजी निर्णय और जीवनशैली को समझना होगा। अनावश्यक हस्तक्षेप से बचते हुए अपने अनुभव को आदेश नहीं, मार्गदर्शन के रूप में प्रस्तुत करना होगा। उम्र बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन मन का बूढ़ा हो जाना अनिवार्य नहीं। वरिष्ठ नागरिक यदि सामाजिक गतिविधियों, अध्ययन, सेवा, आध्यात्मिकता, सामुदायिक कार्यक्रमों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े रहें तो उनका जीवन अधिक सक्रिय, सार्थक और आनंदपूर्ण बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट का कल आया फैसला बुजुर्गों के लिए कानूनी संजीवनी की तरह है जिसमें न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि संतान माता-पिता की देखभाल और भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने में विफल रहती है, तो वरिष्ठ नागरिकों की संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए कानून के तहत बच्चों को उस संपत्ति से बेदखल करने का रास्ता खुला है।

सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। विशेष रूप से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय की परवाह किए बिना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज देना एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार के अनुसार अक्टूबर 2024 में शुरू हुए इस विस्तार से लगभग छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है; जून 2026 तक योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कवरेज का दायरा इसी दिशा में आगे बढ़ाया गया है। इसी प्रकार अटल वयो अभ्युदय योजना का उद्देश्य केवल वृद्धों को आश्रय देना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, आवास, सक्रिय एवं उत्पादक वृद्धावस्था, कौशल, परिवहन तथा पीढ़ियों के बीच संबंधों को मजबूत करना भी है। योजना में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायता, वृद्धाश्रम, सहायक उपकरण, सक्रिय वृद्धावस्था और अनुभव आधारित रोजगार जैसे पहलुओं को भी शामिल किया गया है। ये प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सरकारी योजनाओं की सफलता अंततः उनके अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी पहुंचने पर निर्भर करती है। पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा, डिजिटल सेवाओं और कानूनी संरक्षण को अधिक सरल, सुलभ और स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाना अभी भी आवश्यक है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आर्थिक सुरक्षा जितनी जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी भावनात्मक सुरक्षा है। पैसा दवा खरीद सकता है, लेकिन अकेलेपन का उपचार नहीं कर सकता। अस्पताल शरीर का इलाज कर सकता है, लेकिन उपेक्षा से घायल मन का उपचार परिवार का प्रेम ही कर सकता है। इसलिए वृद्ध कल्याण को केवल सरकारी योजना या पेंशन के दायरे में नहीं देखा जा सकता। परिवार को यह समझना होगा कि वृद्ध माता-पिता को केवल भोजन और दवा नहीं चाहिए; उन्हें बातचीत चाहिए, सम्मान चाहिए, निर्णयों में सहभागिता चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि वे परिवार के लिए अब भी महत्वपूर्ण हैं। आज की युवा पीढ़ी को यह बात विशेष रूप से समझनी होगी कि माता-पिता का वर्तमान हमारे भविष्य का संकेत है।

# नर या नारायण कौन थे राम

श्रीराम पूर्णतः ईश्वर हैं। भगवान हैं। साथ ही पूर्ण मानव भी हैं। उनके लीला चरित्र में जहां एक ओर ईश्वरत्व का वैचित्र्यमय लीला विन्यास है, वहीं दूसरी ओर मानवता का प्रकाश भी है। विश्वव्यापिनी विशाल यशकीर्ति के साथ सम्यक निरभिमानिता है। वज्रवत न्याय कठोरता के साथ पुष्पवत प्रेमकोमलता है। अनंत कर्ममय जीवन के साथ संपूर्ण वैराग्य और उपरति है। समस्त निषमताओं के साथ नित्य सहज समता है। अनंत वीरता के साथ मनमोहक नित्य सौंदर्य है। इस प्रकार असंख्य परस्पर विरोधी गुणों और भावों का समन्वय है। भगवान श्री राम की लीला चरित्रों का श्रद्धा भक्ति के साथ चिंतन, अध्ययन व विचार करने पर साधारण नर नारी भी सर्वगुण समन्वित एवं सर्वगुण रहित अखिल विश्व व्यापी, सर्वातीत, सर्वमय श्रीराम को अपने निकटस्थ अनुभव कर सकते हैं। श्री राम में नर और नारायण तथा मानव और ईश्वर की दूरी मिटाकर भगवान के नित्य परिपूर्ण स्वरूप का परिचय मिलता है। भगवान पुरुषोत्तम ने श्री राम के रूप में प्रकट होकर मानवीय रूप में सांसारिक लोगों के दिलो दिमाग पर नित्य प्रभुत्व की प्रतिष्ठा कर समस्त भारतीय संस्कृति को आध्यात्म भाव से ओतप्रोत कर दिया है। रामचरितमानस महाकवि तुलसीदास की अमर कृति है। यह एक ऐसा सर्वोपयोगी आदर्श प्रदर्शित करने वाला पवित्र धर्मग्रंथ है। जिसने मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्रीराम को समस्त नर नारियों के हृदय में परम देवत्व रूप के साथ अत्यंत आत्मीय रूप में प्रतिष्ठात किया है। इसने शिक्षित अशिक्षित? आबाल वृद्ध शास्त्र पुरुष सभी प्रकार के जीवन को श्रीराम के प्रति भक्ति तथा प्रेम के दिव्य, मधुर सुधारस से अभिषिक्त कर अपना अद्भुत प्रभाव विस्तार किया है।

श्रीरामचरितमानस के श्रीराम सर्वसद्गुण संपन्न मर्यादारक्षक परम आदर्श शिरोमणि होने के साथ ही स्वमहिमा में स्थित महामानव है। श्रीरामचरित मानस के श्रवण, मनन तथा चिंतन से अत्यंत विष्यासक्त, असदाचारी कठोर हृदय मानव भी पवित्र विचार परायण एवं सदाचारी होकर निर्मल प्रेम भक्ति की रसधारा में सराबोर होकर मुक्ति प्राप्त कर सकता है। इस ग्रंथ के सभी पात्र आदर्श चरित्र से परिपूर्ण हैं। इसमें गुरु शिष्य, माता पिता, भ्राता पुत्र स्वामी सेवक, प्रेम सेवा, क्षमा, वीरता, दान, त्याग, धर्मनीति आदि संपूर्ण आदर्शों के प्रत्यक्ष दर्शन होते हैं। यही कारण है कि इस ग्रंथ का सर्वत्र समादर है। तथा यह सर्वप्रिय ग्रंथ है। श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों को अधिकांश मानव मंत्रवत कर जप परायण करते हैं। वाल्मीकि ने श्री रामायण की रचना करते समय श्रीराम कथा के रूप में मानवता की कथा कही है। उन्होंने श्रीराम के चरित्र के माध्यम से विश्व के मानवों को मानवता का संदेश दिया है। राम जैसा नर मानव है। राम के समान चरित से मानवता की प्राप्ति होती है। राम एक ऐसे सेतु हैं जहां एक छोर से शुरू होकर मनुष्य दूसरे छोर पर परमात्मा तक पहुंच जाता है।

विचार मंथन

# नहीं संभलेगा जेन- जेड और जेन- अल्फा

(लेखक- सनत जैन )

भारत के कई राज्यों में छात्रों के आंदोलन सड़कों पर आ गए हैं। पिछले दो माह से जेन-जेड और जेन-अल्फ़ा के हजारों छात्र विभिन्न राज्यों में प्रदर्शन करने के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं। यह हवा शहरों से निकलकर गांव की तरफ पहुंच रही है। यह जो नई पीढ़ी है, यह अपने भविष्य और वर्तमान की जरूरत को ध्यान में रखते हुए प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतर रही है। ऐसे समय पर केंद्र सरकार, राज्य सरकारें तथा भाजपा वंदे मातरम और इतिहास के मुद्दों को उठाकर ऐसा लगता है कि आंख बंद करके वह इस बदलाव को अनदेखा कर रहे हैं। आज का युवा अपनी जरूरत और भविष्य को लेकर बहुत चिंतित है। सरकार इसकी गंभीरता को शायद समझ नहीं पा रही है, जिसके कारण यह आंदोलन दिन-प्रतिदिन बढ़ते चले जा रहे हैं। विभिन्न राज्यों में छोटे-छोटे बच्चे अपने स्कूल में शिक्षक नहीं होने, स्कूल में पानी की व्यवस्था नहीं होने, पंखा नहीं होने, स्कूल की बिल्डिंग जर्जर होने तथा खराब सड़कों के कारण सड़कों पर आ रहे हैं। पिछले 12 वर्षों में जो विकास की तस्वीर डबल इंजन की सरकारों द्वारा दिखाई जा रही थी उसके विपरीत अब गांव-गांव में चल रहे आंदोलन यह बता रहे हैं जब प्राइमरी और मिडिल स्कूलों की इतनी दयनीय हालत है, ग्रामीण सड़क पूरी तरह से खराब है, देश में एक लाख स्कूल बंद हो चुके हैं, जो स्कूल चल रहे हैं, उनका भगवान ही मालिक है। 12 से 16 साल के बच्चे जिस आक्रामक तरीके से आकर अपनी बात रख रहे हैं, सरकार और भाजपा इसे एक तरह से नजर अंदाज कर रही है। इतिहास के बल पर 40 करोड़ बच्चों को समझाया और बुझाया नहीं जा सकता है। उनके पास भविष्य के सब सपने हैं। करोड़ों युवा जो ग्रेजुएट हो चुके हैं, कई वर्षों से बेरोजगार हैं। ये कई तरह की भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले चुके हैं। हर परीक्षा के लिए बार-बार शुल्क चुकाते हैं। परीक्षा देने के लिए सैकड़ो किलोमीटर दूर जाते हैं। उनकी उम्र निकल रही है। इसके बाद भी उनके लिए नौकरी नहीं मिल पा रही है।

इसी तरह से जो छात्र अभी मिडिल और हाई स्कूल में है उनके स्कूलों में टीचर नहीं है। पढ़ाई की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। तरह-तरह की परेशानियां हैं। सरकार को समझना होगा मोबाइल युग की यह पीढ़ी सबसे ज्यादा समझदार है। रही सही कसर इंटरनेट, सोशल मीडिया, ग्रोक, एआई, गूगल इत्यादि प्लेटफार्म से यह बच्चे झूठ और सच को जानने में जरा भी देर नहीं करते हैं। यह बच्चे वर्तमान में जीना चाहते हैं। इनका इतिहास से कोई लेना देना नहीं है। यह अपने परिवार से भी तब तक जुड़े रहते हैं जब तक उनकी ज़रूरतें पूरी होती हैं। जरूरत पूरी नहीं होने पर यह अपने माता-पिता और परिवारजनों से भी विद्रोह करने की मुद्रा में होते हैं। पिछले कुछ वर्षों से धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर भाजपा ने लगातार कई चुनाव जीत लिए हैं। भावात्मक रूप से लोगों को प्रभावित करने के लिए दशकों पुराने गड़े मुर्दों को कब्र से निकाल कर राजनीति अब संभव नहीं रह गई है। इतिहास को सब अपने-अपने तरीके से अभी तक देख रहे थे, यह जो नई पीढ़ी आई है यह तुरंत गूगल, एआई और ग्रोक के प्लेटफार्म में जाकर सच और झूठ का पता लगा लेती है। इसमें भारतीय जनता पार्टी को जो सबसे बड़ा नुकसान हो रहा है वह यह है, जो नई पीढ़ी इतिहास को नहीं जानती थी पिछले वर्षों में उसे जिस तरह से बताया गया था उसी को उसने सच मान लिया था, लेकिन अब वह सच का पता लगाना सीख गई है। इस झूठ और सच के बीच में वह पडना भी नहीं चाहती है। उसकी आज की ज़रूरतें हैं, कल का भविष्य है इतिहास से उसे कुछ मिल नहीं रहा है।

पिछले 12 वर्षों से देश में डबल इंजन की सरकारें हैं। समय-समय पर इन्हें बड़े-बड़े सपने दिखाए गए, लेकिन उनमें से कोई भी सपना इन 12 सालों में पूरा नहीं हुआ। कई राज्यों में तो 20 से 25 वर्ष से भाजपा की सरकारें हैं। ऐसी स्थिति में जेन-जेड और जेन-अल्फा ने भाजपा का शासन देखा है, सपने पूरे नहीं हो रहे और जो उन्हें दिखाया जा रहा वह सत्य से बहुत दूर है। कथनी और करनी के इस अंतर को छात्र बहुत अच्छी तरह से समझ रहे हैं। ऐसी स्थिति में अब वह विश्वास नहीं कर रहे हैं। वह अपनी हथेली में दही जमाने की स्थिति में आ गए हैं। वह जब एक बार अपनी मांग को लेकर उतरते हैं तो वह जिद के साथ उसे पूरी कराना चाहते हैं। उनके पास ऊर्जा बहुत है। इस ऊर्जा का उपयोग वह किसी भी स्तर तक जाकर कर रहे हैं। यह हमने जंतर मंतर और झारखंड में देखा। इसी तरह से मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार और कई राज्यों के स्कूली बच्चे जिस तरह से अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतर रहे हैं उनके इस आंदोलन में उनकी वर्तमान ज़रूरतें और भविष्य के प्रति उनकी सजगता उन्हें आक्रामक बना रही है। दूसरी तरफ सरकार और भाजपा अभी भी इतिहास से जुड़े रहकर तथा उन्होंने जिस तरह से पिछले 12 वर्षों में सरकार चलाई है उसी को सत्य मानकर चल रहे हैं। इस कारण वह आज भी कांग्रेस और राहुल गांधी से मुकाबला करने की रणनीति में बार-बार इतिहास को सामने लेकर आ रहे हैं। वंदे मातरम और कांग्रेस ने कब क्या किया इससे आज के युवा को कोई लेना-देना नहीं है। वह अपनी समस्याओं का समाधान चाहता है। उसे जो बड़े-बड़े सपने दिखाए गए हैं वह उसे धरातल में देखना चाहता है।

## डॉलर में कमजोरी से सोने और चांदी में जोरदार उछाल

**सोना 283 की तेजी के साथ 1,58,279 रुपए, चांदी 2,41,167 रुपए प्रति किलोग्राम**



**नई दिल्ली।**

सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। कमजोर होते डॉलर, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में नरमी और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग ने बहुमूल्य धातुओं को मजबूत समर्थन दिया। घरेलू एमसीएक्स और अंतरराष्ट्रीय कॉमेक्स बाजारों में सोने-चांदी की शुरुआत तेजी के साथ हुई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी दोनों के वायदा भाव में मजबूती दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 283 रुपये की तेजी के साथ 1,58,279 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह 1,58,008 रुपये पर खुला था और दिन के दौरान 1,58,300 रुपये का उच्च स्तर छुआ। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वोच्च स्तर छुआ था। वहीं चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 3,513 रुपये की जोरदार उछाल के साथ 2,40,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर था। यह 2,38,500 रुपये पर खुला था और दिन के उच्च स्तर 2,41,167 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंचा। चांदी ने इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का उच्चतम स्तर देखा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी बनी रही। सोना 7.20 डॉलर की बढ़त के साथ 4,552.50 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था, जबकि यह 4,580 डॉलर प्रति औंस पर खुला था। सोने ने इस साल 5,586.20 डॉलर प्रति औंस का सर्वोच्च स्तर बनाया था। चांदी का वायदा भाव भी 1.47 डॉलर की तेजी के साथ 67.30 डॉलर प्रति औंस पर था। यह 67.08 डॉलर पर खुला था और इस साल 121.79 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छू चुका है।

## भारतीय दोपहिया निर्यात को मिली रफ्तार, 27 में 20 फीसदी तक उछाल संभव

**अफ्रीकी मांग में सुधार, नए बाजारों में विस्तार से मिलेगा सहारा**

**नई दिल्ली** भारतीय दोपहिया वाहन निर्यात में वित्त वर्ष 27 के दौरान 15 से 20 प्रतिशत की सालाना वृद्धि मिलने की संभावना है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) के मुताबिक, यह लगातार तीसरा साल होगा जब निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज होगी। इसका श्रेय अफ्रीकी मांग में सुधार और लैटिन अमेरिका व दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय कंपनियों के बढ़ते विस्तार को जाता है। पिछले वित्त वर्ष 26 में निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 51.8 लाख वाहनों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जिसने वित्त वर्ष 22 का पिछला रिकॉर्ड पीछे छोड़ा। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में भी 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ यह रफ्तार जारी रही। इंड-रा का मानना है कि यह वृद्धि चक्र लंबे समय तक चलेगा। भारतीय निर्माताओं ने भौगोलिक मौजूदगी और वितरण नेटवर्क मजबूत किए हैं, साथ ही बाजार के अनुरूप वाहन भी पेश किए हैं। कोलंबिया, मेक्सिको और ब्राजील जैसे नए बाजार अब शीर्ष 10 निर्यात गंतव्यों में शामिल हैं, जिससे उद्योग की अफ्रीका पर निर्भरता घटी है। अफ्रीका के मुख्य बाजारों में भी महंगाई घटने और विदेशी मुद्रा उपलब्धता बढ़ने से मांग बढ़ रही है। नाइजीरिया जैसे प्रमुख बाजारों में सुधार दिखने लगा है। श्रीलंका द्वारा आयात पाबंदियों में ढील देने से भी निर्यात को अतिरिक्त बढ़ावा मिल रहा है।

## एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

**मुंबई ।**

एशिया-प्रशांत बाजारों में गुरुवार को अच्छी तेजी देखने को मिली। दक्षिण कोरिया का चश्न्हाश्ब्द करीब 6 फीसदी उछल गया, जबकि जापान का निक्कई 225 करीब 1.3 फीसदी चढ़ा। अमेरिकी बाजारों में भी बुधवार को तेजी रही। डाओ जोंस इंडस्ट्रीयल एवरेज 0.22 फीसदी और एसएंडपी 500 0.21 फीसदी ऊपर बंद हुए। वहीं नैस्डेक कम्पो जिट में 0.16 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

# शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

**सेंसेक्स 628, निफ्टी 153 अंक उछला**

**मुम्बई ।**

घरेल शेयर बाजार में गुरुवार को तेजी लौटी। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददरी हावी रहने से आया है। इससे पिछले एक सप्ताह से जारी गिरावट थम गयी।

आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधरित बीएसई सेंसेक्स 628.04 अंक बढ़कर 77,537.72 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 153.55 अंक या बढ़कर 24,231.85 पर बंद हुआ।

आज बीएसई में 2448 शेयर उछले जबकि 1876 शेयर गिरे जबकि 225 शेयरों में अंतर नहीं आया। आज निफ्टी में सबसे अधिक बढ़त वाले शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और श्रीराम फाइनेंस शामिल रहे जबकि गिरावट वाले शेयरों में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा कंज्यूमर, इंटरग्लोब एविएशन और नेस्ले शामिल रहे। आज सभी सेक्टर के इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए; मीडिया इंडेक्स और रियल्टी इंडेक्स उछला , जबकि ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, आईटी, प्राइवेट बैंक और इंफ्रा इंडेक्स में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बढ़त रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में गुरुवार को जोरदार वापसी देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में खुले




और शुरुआती कारोबार में मजबूत बढ़त दर्ज की। सुबह सेंसेक्स 550 अंकों से अधिक उछलकर 77,400 के स्तर को पार कर गया, जबकि निफ्टी भी 24,200 के ऊपर कारोबार कर रहा था। । बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिकी बाजारों में तीन दिन की लगातार गिरावट के बाद आई रिकवरी और एशियाई बाजारों में व्यापक तेजी ने घरेलू बाजार के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया।

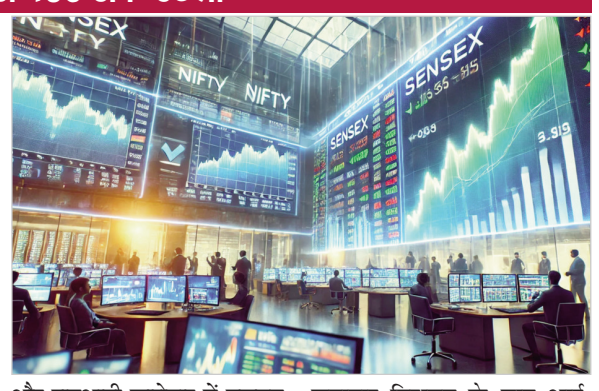

हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें अभी भी बाजार के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं।

## रुपया गिरावट के साथ 92.78 पर बंद

**मुंबई।**

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 2 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.75 पर बंद हुअ। वहीं इससे पहली आज सुबह

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.57 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद 95.56 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को लगभग स्थिर कारोबार करता हुआ एक पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 98.82 पर आ गया। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी कोष द्वारा लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड की पुनर्खरीद दोगुनी करने की घोषणा के बाद डॉलर सूचकांक मई के अंत के बाद के सबसे निचले स्तर पर आ गया। इससे अमेरिका में लंबी अवधि के बॉन्ड पर प्रतिफल दरें नीचे आईं और डॉलर की प्रतिफल संबंधी बढ़त कम हुई। इसके अलावा, फेडरल रिजर्व द्वारा आगे ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद कम होने से भी डॉलर पर दबाव है।

## केकेआर ने बुकमाईशो में किया निवेश

**भारतीय मनोरंजन क्षेत्र को मिलेगी नई उड़ान**

**नई दिल्ली ।** प्रमुख वैश्विक निवेश फर्म केकेआर ने भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन टिकट प्लेटफॉर्म बुकमाईशो में अल्पमत हिस्सेदारी खरीदने का समझौता किया है। यह कदम भारतीय मनोरंजन उद्योग को एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देगा और बुकमाईशो को अपनी अगली विकास यात्रा को तेज करने में मदद करेगा। इस रणनीतिक निवेश का मुख्य उद्देश्य कंपनी के लाइव एंटरटेनमेंट सेगमेंट का विस्तार और पूरे भारत में सेवाओं को मजबूत करना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केकेआर लगभग 4-5 करोड़ डॉलर में बुकमाईशो की 6त्न हिस्सेदारी ले रही है। 2007 में बिगट्री एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित बुकमाईशो, 700 से अधिक शहरों में भारत का अग्रणी मनोरंजन गंतव्य है। केकेआर का यह निवेश भारत के तेजी से बढ़ते मनोरंजन क्षेत्र और बुकमाईशो की भविष्य की क्षमता में उसके गहरे विश्वास को दर्शाता है। कंपनी मानती है कि बढ़ती खर्च क्षमता, विशाल युवा आबादी और विश्व स्तरीय लाइव अनुभवों की मांग इस वृद्धि को और गति देगी। इस सौदे के लिए एवेंडस कैपिटल ने वित्तीय सलाहकार के रूप में और ट्राइलीगल ने कानूनी सलाहकार के रूप में काम किया। केकेआर में एक ` हिस्सेदार ने इस निवेश पर टिप्पणी करते हुए कहा` कि बुकमाईशो भारत में बेहतरीन मनोरंजन अनुभव देने में अग्रणी रही है। हम इसके विकास में सहयोग करके खुश हैं, जो भारत के आउट-ऑफ-होम मनोरंजन क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा।

# खाद्य ब्रांड्स ने एफएसएसएआई के आदेश पर 100 फीसदी शुद्धता के दावे हटाए

**एमवे, इमामी समेत छह कंपनियों ने पैकेजिंग, लेबल व विज्ञापनों से हटाए भ्रामक दावे**

**नई दिल्ली ।**

उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले भ्रामक दावों पर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सख्ती दिखाते हुए एमवे इंडिया, इमामी और बॉन बिस्किट्स सहित छह बड़ी खाद्य कंपनियों को अपने उत्पादों की पैकेजिंग, लेबल और विज्ञापनों से 100 प्रतिशत जैसे शब्दों को हटाने का निर्देश दिया है। नियामक के हस्तक्षेप के बाद इन कंपनियों ने सुधारात्मक कदम उठाए हैं। एफएसएसएआई ने खाद्य कारोबार परिचालकों (एफबीओ) को 100 प्रतिशत जैसे भ्रामक दावे इस्तेमाल करने से रोकने का निर्देश दिया था, क्योंकि ऐसे दावे अक्सर उत्पादों की वास्तविक गुणवत्ता या सामग्री को सही ढंग से नहीं दर्शाते।

एफएसएसएआई के मुताबिक, बॉन बिस्किट्स ने अपने बॉन क्यूमिन फ्लेवर जीरा बाइट बिस्किट्स से यह दावा हटा दिया है, जबकि इमामी लिमिटेड ने झंडू शहद और एपिस इंडिया ने अपने शहद उत्पादों से ऐसे दावे हटाए हैं। एमवे इंडिया एंटरप्राइजेज ने अपने



100 प्रतिशत शुद्ध नारियल तेल के दावे को पैकेजिंग और प्रचार सामग्री से स्वेच्छा से हटा लिया है और पुराने स्टॉक की बिक्री भी रोक दी है। इसके अतिरिक्त, केरल की जुजा फूड्स ने अपने विभिन्न बेबी फूड उत्पादों से और मास्टरचॉव फूड्स प्राइवेट लिमिटेड ने रैमेन नूडल से भी 100 प्रतिशत के दावे हटा दिए हैं।

# पुराने वाहन मालिकों को राहत! सरकार ई10 पेट्रोल वापस लाने पर कर रही विचार

**ई20 से प्रभावित पुराने वाहनों के लिए समाधान पर विचार, तेल कंपनियों से चर्चा शुरू**

**नई दिल्ली।**

केंद्र सरकार पुराने वाहन मालिकों को राहत देने के लिए मौजूदा ई20 पेट्रोल के साथ, ई20 अनुकूल न होने वाले वाहनों के लिए ई10 पेट्रोल को फिर से बाजार में लाने की संभावना पर विचार कर रही है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन के सुझाव के बाद इस मुद्दे पर तेल कंपनियों से शुरुआती बातचीत शुरू हुई है। यह कदम खासकर उन लाखों पुराने वाहनों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है जो ई20 के लिए डिज़ाइन नहीं हुए हैं। भारत ने तय समय से पहले 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रण (ई20) का लक्ष्य हासिल कर इसे प्रमुख ईंधन बनाया है। हालांकि, इससे पुराने कार और दोपहिया वाहन मालिकों में चिंताएं बढ़ी हैं। उनका कहना है कि ई20 पेट्रोल से उनके वाहनों का माइलेज कम हो सकता है और इंजन में दीर्घकालिक परेशानियां पैदा हो सकती हैं। इसी वजह से श्व10 पेट्रोल को एक वैकल्पिक ईंधन के तौर पर फिर से उपलब्ध कराने की मांग तेज हुई है। सरकार के सामने सबसे बड़ी




चुनौती ई10 और ई20 दोनों ग्रेड के ईंधन के लिए अलग से आपूर्ति और वितरण व्यवस्था बनाना है। पेट्रोल पंपों पर अतिरिक्त भंडारण क्षमता और परिवहन नेटवर्क का प्रबंधन एक महंगा और जटिल काम हो सकता है, जिसे सरकार पहले भी स्वीकार कर चुकी है। अधिकारियों का मानना है कि कम इथेनॉल मिश्रण वाला ई10 पुराने वाहनों के लिए बेहतर विकल्प है और इंजन के पुर्जों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

## एलआईसी अब एचडीएफसी बैंक में बढ़ा सकेगा 9.99 फीसदी तक हिस्सेदारी

**मौजूदा 4.11 फीसदी हिस्सेदारी को बढ़ाकर लगभग 10 फीसदी तक ले जाने का रास्ता साफ**

**नई दिल्ली ।**

देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बीमाकर्ता भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से एक महत्वपूर्ण मंजूरी मिली है। आरबीआई ने एलआईसी को निजी क्षेत्र के दिग्गज एचडीएफसी बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत तक करने की अनुमति दे दी है। इस खबर के सामने आते ही गुरुवार को एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक का उछाल दर्ज किया गया। एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि आरबीआई ने 19 अगस्त 2026 के पत्र के जरिए एलआईसी को यह मंजूरी दी है। वर्तमान में एलआईसी के पास बैंक की कुल शेयर पूंजी का 4.11 प्रतिशत हिस्सा है। इस अनुमति से एलआईसी अब अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत तक कर सकेगा। एलआईसी ने इसके लिए आरबीआई के पास आवेदन किया था। यह मंजूरी कुछ नियामक शर्तों के अधीन है, जिनमें बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, आरबीआई के निर्देश, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 और सेबी के नियम शामिल हैं। एलआईसी देश के सबसे बड़े संस्थागत निवेशकों में से एक है, इसलिए यह मंजूरी काफी अहम है।

## सरकार ने चीनी स्टॉक सीमा घटाई, अब 15 दिन ही रख सकेंगे डीलर

**1 सितंबर से लागू होगा नया नियम, जमाखोरी पर लगेगी रोक**

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में चीनी की लगातार बढ़ती कीमतों और आगामी त्योहारी सीजन में संभावित भारी मांग के मद्देनजर सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब थोक डीलर और बड़े खरीदार 15 दिन से ज्यादा चीनी का स्टॉक अपने पास नहीं रख सकेंगे। यह सख्त नियम 1 सितंबर से लागू होकर 30 नवंबर तक प्रभावी रहेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य बाजार में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करना और उसकी कीमतों को नियंत्रण में रखना है। भारत दुनिया में चीनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, और गणेश चतुर्थी, दशहरा व दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के कारण अगस्त से नवंबर के बीच चीनी की मांग अपने चरम पर होती है। इस अवधि में न सिर्फ घरों में बल्कि बिस्कुट, मिठाई और अन्य खाद्य कंपनियां भी भारी मात्रा में चीनी खरीदती हैं। ऐसे में, सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि बाजार में पर्याप्त चीनी उपलब्ध रहे और जमाखोरी के कारण कीमतों में अनावश्यक वृद्धि न हो। पहले भी सरकार ने स्टॉक रखने की सीमा 30 दिन की थी, लेकिन कीमतों में तेजी जारी रहने के बाद अब इसे और घटाकर 15 दिन कर दिया गया है। यह नियम उन डीलरों पर लागू होगा जो एक महीने में 10 मीट्रिक टन से ज्यादा चीनी का कारोबार या इस्तेमाल करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक महीने में चीनी की कीमतें करीब 10 प्रतिशत बढ़ी हैं और रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा औसत एक्स-मिल कीमत 5,400-5,500 रुपये प्रति क्विंटल है, जो एक साल पहले 3,900 रुपये थी। वहीं खुदरा बाजार में भी ग्राहकों को इसका असर दिख रहा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक, 18 अगस्त को चीनी की औसत खुदरा कीमत 52.30 रुपये प्रति किलो थी, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 46.34 रुपये थी, यानी सालाना आधार पर लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नई फसल का सीजन 1 अक्टूबर से शुरू होगा, लेकिन शुरुआती स्टॉक को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। अनुमान है कि नए सीजन की शुरुआत में लगभग 40-42 लाख टन चीनी उपलब्ध होगी, जबकि देश की घरेलू जरूरत करीब 50 लाख टन रहने का अनुमान है। कुछ इलाकों में कम बारिश से गन्ने की फसल प्रभावित होने की खबर भी उत्पादन को लेकर चिंता बढ़ा रही

# पाकिस्तान ने अमेरिका से किया 10 अरब डॉलर की मदद का अनुरोध

**पारंपरिक ऋण से हटकर बाजार को सकारात्मक संकेत देने का प्रयास, वार्ता जारी**

**इस्लामाबाद ।**

पाकिस्तान ने अपनी विदेशी मुद्रा स्थिति को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए अमेरिका से 10 अरब डॉलर की एक्सचेंज स्टैबिलाइजेशन सपोर्ट फैसिलिटी का अनुरोध किया है। वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने एक साक्षात्कार में यह जानकारी दी, जिसमें बताया गया कि अमेरिकी वित्त मंत्रालय से बातचीत जारी है, हालांकि अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है। औरंगजेब ने स्पष्ट किया कि यह पहल पारंपरिक ऋण या कर्ज हासिल करने के बजाय विदेशी मुद्रा स्थिरता को मजबूत करने और वैश्विक पूंजी बाजारों को सकारात्मक संकेत देने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि यह देश को बाजार में जाने में मदद करेगा। पाकिस्तान हाल के वर्षों में बाहरी भुगतान दबावों का सामना कर रहा है और 2023 में डिफॉल्ट के करीब पहुंच गया था, लेकिन आईएमएफ और द्विपक्षीय साझेदारों की मदद से बचा।

देश फिलहाल 7 अरब डॉलर के आईएमएफ कार्यक्रम पर काम कर रहा है। वित्त मंत्री ने बताया कि यह कदम मित्र देशों से अल्पकालिक कर्ज पर निर्भरता कम करके लंबी पुनर्भुगतान अवधि वाले बाजार-आधारित वित्तपोषण की ओर बढ़ने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। सरकार अपनी संप्रभु रेटिंग सुधारने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के साथ भी काम कर रही है, जिसका लक्ष्य कम से कम बी प्लस रेटिंग हासिल करना है। बेहतर रेटिंग से पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों से कर्ज लेना आसान और सस्ता होगा। इस्लामाबाद को सितंबर के अंत तक अमेरिका से इस अनुरोध पर प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।

## एसबीआई ने बल्क एफडी पर घटाई ब्याज दरें, छोटी अवधि के निवेश पर असर

**3 करोड़ या उससे अधिक की जमा राशि पर प्रभाव, रिटेल एफडी दरें अपरिवर्तित**




**नई दिल्ली**

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने 3 करोड़ रुपये या उससे अधिक की घरेलू बल्क टर्म डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दरों में कटौती की घोषणा की है, जो अब प्रभावी हो चुकी हैं। यह बदलाव मुख्य रूप से छोटी अवधि की जमाओं को प्रभावित करेगा, जबकि 3 करोड़ रुपये से कम की सामान्य रिटेल एफडी अपरिवर्तित रहेंगी। बैंक ने 7 से 179 दिनों की बल्क एफडी पर ब्याज दर में 25 बेसिस पॉइंट (0.25 फीसदी) और 180 से 210 दिनों की अवधि वाली एफडी पर 10 बेसिस पॉइंट (0.10 फीसदी) की कटौती की है। हालांकि, 211 दिन से 10 साल तक की लंबी अवधि वाली बल्क एफडी दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे इन अवधियों के निवेशकों को राहत मिलेगी। यह कटौती वरिष्ठ नागरिकों की बल्क एफडी पर भी लागू होगी, जहां समान अवधि (7-210 दिन) के लिए ब्याज दरों में समान कमी की गई है। नई दरें ताजा जमा के साथ-साथ परिपक्वता के बाद होने वाले नवीनीकरण पर भी प्रभावी होंगी। निवेशकों को ध्यान देना चाहिए कि बल्क एफडी की समय से पहले निकासी पर एक फीसदी की पेनल्टी लागू होगी। यह स्पष्ट किया गया है कि 3 करोड़ रुपये से कम की सामान्य एसबीआई रिटेल एफडी पर इन बदलावों का कोई असर नहीं पड़ा है।

सामान्य ग्राहकों के लिए रिटेल एफडी की ब्याज दरें 3.05 फीसदी से 6.40 फीसदी तक और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3.55 फीसदी से 7.05 फीसदी तक बनी हुई हैं।

## शेयर बाजार में अंतिम दौर का खेल, सेबी ने पकड़ी 3.68 करोड़ की सेंसेक्स हेराफेरी

**क्लोजिंग ऑक्शन सेशन में नकली ऑर्डर लगाकर सेंसेक्स को हिलाया, एफएंडओ से कमाए करोड़ों**

**नई दिल्ली ।**

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर बाजार में एक बड़ी हेराफेरी का पर्दाफाश किया है। 13 अगस्त को सेंसेक्स की एक्सपायरी के दिन, दो कंपनियों - कॉप्थॉल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट और मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग - ने नए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) का इस्तेमाल कर सेंसेक्स के अंतिम भाव को जानबूझकर प्रभावित करने की कोशिश की।

सेबी की जांच में सामने आया है कि इस सुनियोजित चाल से उन्हें वायदा और विकल्प (एफएंडओ) कारोबार में लगभग 3.68 करोड़ रुपये का अवैध फायदा हुआ। सीएएस एक 20 मिनट का अंतिम सत्र होता है, जिसमें शेयरों का क्लोजिंग भाव तय होता है, जिसका सीधा असर सेंसेक्स पर पड़ता है। सेबी के मुताबिक, कॉप्थॉल ने सेंसेक्स में शामिल शेयरों में करीब 126 करोड़ रुपये के खरीद ऑर्डर लगाए, जो बाजार भाव से लगभग 3 फीसदी अधिक थे।

इन बड़े ऑर्डरों से सेंसेक्स में कुछ ही सेकंड में सैकड़ों अंकों का उछाल आया। हालांकि, आश्चर्यजनक रूप से, बड़े ऑर्डर लगाने के बाद इनमें से 98.12 करोड़ रुपये के ऑर्डर रद्द कर दिए गए। एक मौके पर सेंसेक्स सिर्फ 2 सेकंड में 362 अंक और 28 सेकंड में 405 अंक तक ऊपर-नीचे हुआ। दूसरी ओर, मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग ने ठीक उल्टा खेल खेला। इसने सेंसेक्स के 8 शेयरों में 12.65 लाख शेयरों के बड़े बिक्री ऑर्डर बाजार भाव से काफी नीचे लगाए। इन ऑर्डरों का उद्देश्य शेयरों के संभावित अंतिम भाव पर नीचे का दबाव बनाना था। कॉप्थॉल की तरह, मानसी ने भी बाद में इन बड़े बिक्री ऑर्डरों को रद्द कर दिया। सेबी का मानना है कि इन कंपनियों का मकसद शेयर खरीदना-बेचना नहीं, बल्कि सेंसेक्स के अंतिम भाव को अपनी सुविधा अनुसार ऊपर-नीचे करके एफएंडओ सौदों से लाभ कमाना था, खासकर एक्सपायरी के दिन जब अंतिम स्तर बेहद महत्वपूर्ण होता है।

सेबी ने कॉप्थॉल द्वारा कमाए गए 2.96 करोड़ रुपये और मानसी द्वारा कमाए गए 71.65 लाख रुपये के कथित गलत फायदे का अनुमान लगाया है। इस खुलासे के बाद बाजार नियामक ऐसे जोड़तोड़ पर पैनी नजर रख रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# जोश टंग 50 विकेट पूरे कर रचा इतिहास

**हेडिंग्ले, एजेंसी।** इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टंग ने पाकिस्तान के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में बड़ी उपलब्धि हासिल की। टंग ने पांच विकेट झटककर मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में 50 विकेट पूरे कर लिए और इस आंकड़े तक पहुंचने वाले पहले गेंदबाज बन गए। उनके शानदार स्पेल की बदौलत पाकिस्तान की पहली पारी 171 रन पर सिमट गई।

## टंग ने पांच विकेट लेकर रचा इतिहास

पाकिस्तान के खिलाफ पहली पारी में टंग ने 5 विकेट हासिल किए। इसके साथ ही उन्होंने मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में अपने विकेटों की संख्या 50 पहुंचा दी। वह इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को पीछे छोड़ने में कामयाब रहे। टंग ने इस डब्ल्यूटीसी चक्र में अब तक 10 टेस्ट खेले हैं और 27.18 की औसत से 50 विकेट लिए हैं। उनके नाम तीन बार पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा भी दर्ज है।

## स्टार्क और सिराज भी टॉप पर

टंग के बाद मिशेल स्टार्क इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। स्टार्क ने नौ टेस्ट में 19.45 की शानदार औसत से 48 विकेट लिए हैं और उनके नाम भी तीन पांच विकेट हॉल हैं। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। सिराज ने 10 टेस्ट में 26.68 की औसत से 41 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में दो विकेट लेकर सिराज ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ा था।

## पाकिस्तान के खिलाफ टंग का कहर

टंग ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने सबसे पहले इमाम-उल-हक को 42 रन के स्कोर पर आउट किया। इमाम ने 74 गेंदों का सामना किया था और अब्दुल्ला शफीक के साथ 91 रन की साझेदारी की थी। इसके बाद टंग ने स्टैंड-इन कप्तान सलमान अली आगा को पवेलियन भेजा। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और अली उस्मान को लगातार गेंदों पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद मोहम्मद अब्बास को आउट कर टंग ने अपना पांच विकेट हॉल पूरा किया।

## रॉबिन्सन ने भी झटका पांच विकेट

टंग के साथ ओली रॉबिन्सन ने भी पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। दोनों इंग्लिश तेज गेंदबाजों ने पांच-पांच विकेट लेकर पाकिस्तान को 48.1 ओवर में 171 रन पर समेट दिया। दिलचस्प बात यह है कि 1998 के बाद यह पहली बार है जब इंग्लैंड के दो तेज गेंदबाजों ने एक ही टेस्ट पारी में पांच-पांच विकेट लिए हैं। इससे पहले एंडी कैडिक और एंगस फ्रेजर ने पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

**संक्षिप्त समाचार**

### सीपीएल 2026

## गुयाना अमेजन वारियर्स ने सेंट लूसिया किंग्स को 7 विकेट से हराया

**सेंट लूसिया, एजेंसी।** कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 में डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए मुकाबले में सेंट लूसिया किंग्स ने गुयाना अमेजन वारियर्स को 7 विकेट से हरा दिया। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट लूसिया किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाए थे। चरिथ असलांका ने 28 गेंदों पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से 35 रन बनाए। इसके अलावा एंड्रिज गॉस ने 20, कामिल पूरन ने 19, डैरोन नेड ने 17, मैथ्यू फोर्ड और कप्तान रोस्टन चेज ने 14-14 रन बनाए। गुयाना अमेजन वारियर्स के लिए ड्वायन प्रिटोरियस ने 3, शमार जोसेफ ने 2 और रोमारियो शेफर्ड ने 1 विकेट लिए। 152 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी गुयाना को ग्लेन फिलिप्स और मावेंद्र दिनदयाल ने तेज शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 10.3 ओवर में 79 रन जोड़े। फिलिप्स 26 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुए। दिनदयाल ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 51 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह दूसरे विकेट के रूप में तब आउट हुए, जब टीम का स्कोर 14 ओवर में 107 रन था। कप्तान शे होप 17 रन बनाकर आउट हुए। शिमरोन हिटमायर 11 गेंदों पर 1 छक्का और 4 चौकों की मदद से 25 और सैंपसन 4 गेंदों पर 13 रन बनाकर नाबाद रहे। हिटमायर ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। गुयाना ने 3 विकेट के नुकसान पर 18.1 ओवर में 157 रन बनाए और 7 विकेट से मैच जीता। सेंट लूसिया की तरफ से महिश तिक्षाणा ने 2, जबकि जोशुआ बिशप ने 1 विकेट लिए। गुयाना अमेजन वारियर्स की सीजन के दूसरे मैच में यह दूसरी जीत थी, जबकि सेंट लूसिया की पांचवें मैच में यह तीसरी हार थी।

## एसीबी ने नूर अहमद का एनओसी रद्द किया, सीपीएल से बाहर हुए अफगान स्पिनर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 में सेंट लूसिया किंग्स को एक बड़ा झटका लगा है। अफगानिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नूर अहमद सीपीएल के बचे मैचों में सेंट लूसिया किंग्स के लिए नहीं खेल पाएंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने नूर अहमद उनका नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) रद्द कर दिया है। सेंट लूसिया किंग्स ने नूर अहमद के विकल्प के रूप में न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर टिम सीफर्ट को साइन किया है। सेंट लूसिया किंग्स द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'नूर अब बाकी टूर्नामेंट में सेंट लूसिया किंग्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। फ्रेंचाइजी इस बात से निराश है कि नूर टीम में शामिल नहीं हो पाएंगे। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'सेंट लूसिया किंग्स टिम सीफर्ट का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं, जो अभी स्क्वाड में शामिल होने के लिए सेंट लूसिया जा रहे हैं।' नूर ने 2020 में किंग्स (तब सेंट लूसिया जॉक्स) के साथ करार किया था। वीजा दिक्कतों की वजह से उन्हें उनके लिए खेलने का मौका नहीं मिला। सीपीएल 2024 में वह टीम के लिए खेले और 12 मैचों में 22 विकेट लेकर न सिर्फ टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे, बल्कि टीम को चैंपियन बनाया।

# आईपीएल मत खेलना वरना...

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मानव सुतार टीम इंडिया के नए स्टार बन गए हैं. श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में उन्होंने कुल 10 विकेट लेकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया. उन्होंने अभी तक अपने टेस्ट करियर में सिर्फ 2 मैच खेले हैं, लेकिन उन्हें रवींद्र जडेजा का उत्तराधिकारी माना जा रहा है, क्योंकि सुतार जडेजा की ही तरह लेफ्ट-आर्म स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं.

सुतार के दमदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने गॉल टेस्ट में 165 रनों से जीत दर्ज की थी. मगर पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने उन्हें चेतावनी दे डाली है. पुजारा ने सलाह देते हुए कहा कि इस स्टार स्पिन गेंदबाज को इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं जाना चाहिए. साथ ही पुजारा ने टीम इंडिया मैनेजमेंट से आग्रह किया कि मानव सुतार को रेड बॉल स्पेशलिस्ट गेंदबाज बनाया जाए. चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि युवा खिलाड़ियों के भीतर छोटे फॉर्मेट में खेलने की लालसा होती है, लेकिन मानव सुतार को ऐसा करने से बचना चाहिए. पुजारा के अनुसार सुतार ने आईपीएल खेला तो इसका उनकी गेंदबाजी स्किल्स पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. पुजारा ने कहा, 'सभी युवा खिलाड़ियों चाहते होंगे कि उन्हें छोटे फॉर्मेट में खेलने का अवसर मिले, लेकिन टीम इंडिया को उन्हें (मानव सुतार) को टेस्ट स्पेशलिस्ट बनाना चाहिए. उनका भी आईपीएल में खेलने का मन कर सकता है, लेकिन वहां मत जाना. उन्हें अगर आईपीएल में खेलने का मौका मिलता है, तो वह अच्छा होगा लेकिन जो आपकी ताकत है उसको मत बदलना.'

### गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं सुतार

मानव सुतार अभी गुजरात टाइटंस फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं. अपने आईपीएल करियर में उन्होंने अब तक केवल 5 मैच खेले हैं, जिनमें वो सिर्फ 2 विकेट ले पाए हैं. इनमें 4 मुकाबले उन्होंने आईपीएल 2026 में खेले थे. ओवरऑल टी20 करियर में उन्होंने अब तक 29 मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 25 विकेट हैं और इकोनॉमी रेट सिर्फ 7.33 का है.

## मानव सुतार के 10 विकेट लेने के पीछे का 'सीक्रेट' पता चल गया

टीम इंडिया के युवा स्पिनर मानव सुथार ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद अपनी शानदार गेंदबाजी का राज खोला है। हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टेस्ट में 10 विकेट लेकर सुर्खियों में आने वाले मानव सुथार ने बताया कि उनकी सफलता के पीछे 'स्पॉट बॉलिंग' और दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का अहम योगदान है। एक वीडियो में सुथार ने बताया कि वह बचपन में 14-15 साल की उम्र से ही रोजाना 30 से 35 ओवर गेंदबाजी का अभ्यास करते थे। उनका मुख्य फोकस स्पॉट बॉलिंग (एक ही जगह पर लगातार गेंद डालना) पर रहता था। उनका मानना है कि स्पॉट बॉलिंग से ही किसी भी गेंदबाज की सबसे बेस्ट बॉल तैयार होती है। इसके अलावा सुथार ने बताया कि वह बड़े होते हुए रविचंद्रन अश्विन को अपना आदर्श मानते थे। अश्विन की गेंदबाजी और उनकी विविधताओं ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया। गॉल टेस्ट के पहली पारी में सुथार ने 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट अपने नाम किए थे। उनकी इस बॉलिंग की बदौलत भारत ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से करारी शिकस्त दी।

### मानव सुतार को मिली चेतावनी

### भारत से हार के बाद श्रीलंकाई टीम को ट्रिपल झटका...

## दूसरे टेस्ट से 2 स्टार बाहर, एक पर सस्पेंस

**नईदिल्ली, एजेंसी।** गॉल टेस्ट में श्रीलंकाई टीम को भारत के हाथों 165 रनों की बड़ी हार झेलनी पड़ी थी. अब श्रीलंका को सीरीज बराबर करने के लिए दूसरा टेस्ट जीतना ही होगा. हार या ड्रॉ होने की स्थिति में भारत सीरीज अपने नाम कर लेगा. दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होना है. कोलंबो टेस्ट से पहले श्रीलंका की मुश्किलें और बढ़ गई हैं. कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं, जबकि पथुम निसंका के खेलने पर भी संशय बना हुआ है. श्रीलंका के हेड कोच गैरी कर्स्टन ने गॉल टेस्ट के बाद खिलाड़ियों की चोट को लेकर अपडेट दिया. उन्होंने साफ किया कि कुसल मेंडिस की हैमस्ट्रिंग की चोट गंभीर है और वह फिलहाल टीम के लिए उपलब्ध नहीं होंगे.गैरी कर्स्टन ने कहा, 'कुसल मेंडिस को हैमस्ट्रिंग की गंभीर चोट लगी है. वह कुछ समय तक उपलब्ध नहीं रहने वाले हैं.' श्रीलंका को सबसे बड़ा झटका दिनेश चांदीमल के रूप में लगा है. चांदीमल को गॉल टेस्ट के दौरान फील्डिंग करते समय गर्दन और कंधे में चोट लगी थी. इसके बाद पसिंदु सूरियाबंडारा को उनके स्थान पर कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में उतारा गया था. हालांकि सूरियाबंडारा अपनी पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए थे.

### मेजर लीग सॉकर

## इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन का मैच 2-2 से हुआ ड्रॉ

**चेस्टर, एजेंसी।** मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन एक्शन में इंटर मियामी सीएफ और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच सुबारू पार्क में खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और डेनियल पिंटर ने 1-1 गोल किए।

मेजबान फिलाडेल्फिया ने मैच का पहला गोल दागा। इंडियाना वासिलिव ने 11वें मिनट में शानदार गोल करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। मियामी ने 21वें मिनट में गोल करते हुए बराबरी की। मियामी के लिए 21वें मिनट में डेनियल पिंटर ने गोल दागा। यह एमएलएस में पिंटर का पहला गोल था। पिंटर ने फुटबॉल इतिहास के दो बेहतरीन फुटबॉलर्स की मदद से अपने एमएलएस करियर का पहला गोल दागा। ये दो फुटबॉलर मेसी और लुईस सुआरेज थे। मेसी ने बॉक्स के बाईं ओर सुआरेज को गेंद दी, जिन्होंने हेडर से पास को मोड़कर पिंटर को बीच में पहुंचाया, जहां उन्होंने पास से बॉल को गोल पोस्ट में डाल दिया।

### डब्ल्यूडब्ल्यूई का रिंग बना मैदान

## खिलाड़ियों में हुई जमकर उठा-पटक, लियोनेल मेसी देखते रहे

**चेस्टर (अमेरिका), एजेंसी।** मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के मुकाबले में कुछ ऐसा देखने को मिला, जो डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में ही दिखता है। वैसे तो फुटबॉल के मैदान पर खिलाड़ियों के बीच विवाद आम है। कई बार हाथापाई भी हो जाती है। लेकिन इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच मुकाबले में बात काफी ज्यादा बढ़ गई। यहां खिलाड़ियों के बीच उठा-पटक हो गया। इस मुकाबले के इंजरी टाइम (101वें मिनट) में इंटर मियामी के डिफेंडर ने फिलाडेल्फिया यूनियन के 16 साल के कैवन सुलिवन के खिलाफ बॉक्स के अंदर टैकल किया। इससे वह गिर गए। इंटर मियामी के दूसरे खिलाड़ी इयान फ्रे ने सुलिवन को सिर पर धक्का देने की कोशिश की। इस बीच कैवन सुलिवन ने फ्रे के पैर से हवा में उठाया और जमीन पर पटक दिया। इसके बाद ऐसे लग रहा था जैसे दोनों खिलाड़ी कुश्ती कर रहे हों। इस बीच दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ियों ने आकर बीच बचाव किया।

### एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप

## भारत ने पाकिस्तान का किया गेम ओवर, 5-3 से चटाई धूल

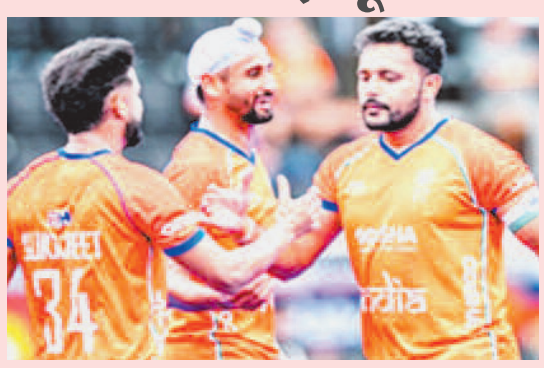

**एम्सटेलवीन (नीदरलैंड्स), एजेंसी।** पाकिस्तान के खिलाफ भारत का 'वर्चस्व' बरकरार है। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में एम्सटेलवीन के वैगनर स्टेडियम में खेले गए पूल डी के मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 5-3 से हराया। भारत ने मुकाबले की शुरुआत दमदार अंदाज में की और गेंद पर कंट्रोल बनाया। मैच के चौथे मिनट में ही भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका भरपूर फायदा उठाते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। 1-0 की बढ़त को भारत ने जल्द ही दोगुना कर दिया। मैच के 11वें मिनट में अभिषेक से मिले शानदार पास को मंदीप सिंह ने गोल में तब्दील किया। पहले क्वार्टर में 2-0 की बढ़त के साथ भारतीय टीम का पूरी तरह से दबदबा रहा। दूसरे क्वार्टर का आगाज भी भारतीय टीम ने शानदार तरीके से किया। मैच के 20वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए कप्तान हरमनप्रीत ने भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान ने मैच में कुछ हद तक वापसी करने की कोशिश की। मैच के 21वें मिनट में पाकिस्तान की तरफ से हन्नान शाहिद ने पहला गोल दागा। इसके ठीक दो मिनट बाद ही अभिषेक ने एक और शानदार गोल दागा और भारत की बढ़त को 4-1 कर दिया। मैच के 24वें मिनट में सुफियान खान ने पाकिस्तान की ओर से दूसरा गोल किया और स्कोर को 4-2 कर दिया। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत के सुखजीत सिंह को ग्रीन कार्ड मिला। मैच के 34वें मिनट मे भारत ने अपनी बढ़त को 5-2 कर दिया। भारत के लिए पांचवां गोल हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर दागा। चौथे और अंतिम क्वार्टर की शुरुआत पाकिस्तान के लिए अच्छी रही। मैच के 45वें मिनट में पाकिस्तान के हन्नान शाहिद ने गोल करते हुए स्कोर को 5-3 कर दिया। इसके बाद भारत और पाकिस्तान की तरफ से गोल करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को गोल करने का कोई और मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने अगले राउंड में अपनी जगह बना ली है। वहीं, हार के साथ पाकिस्तान का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है।

# पाकिस्तानी बल्लेबाज ने बना दिया शर्मनाक रिकॉर्ड... 43 साल में पहली बार हुआ ऐसा

**नईदिल्ली, एजेंसी।** इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जा रहा है. इस मुकाबले में पाकिस्तान बल्लेबाजों का प्रदर्शन पहली पारी में निराशाजनक रहा और पूरी टीम 171 रनों पर सिमट गई. सलामी बल्लेबाज अजान अवैस ने तो पाकिस्तानी फैन्स की उम्मीदों पर बिल्कुल भी खरे नहीं उतर पाए. मुकाबले की पहली ही गेंद पर ओली रॉबिन्सन ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया. ओली रॉबिन्सन ने मैच की पहली गेंद वॉबल सीम के साथ फेंकी, जो बाएं हाथ के बल्लेबाज अजान अवैस के लिए अंदर की ओर आई. अजान गेंद की लाइन को सही तरीके से पढ़ नहीं सके और गेंद सीधे उनके पैड से जा टकराई. इंग्लैंड की जोरदार अपील के बाद अंपायर क्रिस गैफनी ने उन्हें आउट करार दिया. अजान अवैस ने अंपायर के फैसले को चुनौती देते हुए तुरंत डीआरएस लिया. रिप्ले में साफ हुआ कि गेंद उनके बल्ले से नहीं लगी थी. इसके बाद बॉल ट्रैकिंग में इम्पैक्ट से लेकर विकेट तक तीनों रेड दिखाई दिए. गेंद मिडिल स्टम्प के ऊपरी हिस्से से टकरा रही थी और तीसरे अंपायर ने क्रिस गैफनी के फैसले को बरकरार रखा.

### मोहसिन खान के क्लब में एंट्री

इस तरह अजान अवैस को टेस्ट सीरीज की अपनी पहली गेंद पर ही पवेलियन लौटना पड़ा और एक अनचाही लिस्ट में शामिल हो गए. अजान पाकिस्तान के सिर्फ दूसरे ओपनर हैं, जिन्हें किसी टेस्ट की पहली गेंद पर आउट होना पड़ा. इससे पहले 1983 में मोहसिन खान भारत के खिलाफ जालंधर टेस्ट में मैच की पहली गेंद पर आउट हुए थे. यानी पाकिस्तान के किसी ओपनर के साथ 43 साल में यह घटना दोहराई गई.अजान अवैस ने जहां शर्मनाक रिकॉर्ड बनाया, वहीं ओली रॉबिन्सन ने एक खास उपलब्धि हासिल की. वह इंग्लैंड की धरती पर आयोजित किसी टेस्ट मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले केवल चौथे इंग्लिश गेंदबाज बन गए. इस कारनामे की शुरुआत मौरिस टेट ने 1926 में की थी. उन्होंने लीड्स में ऑस्ट्रेलिया के वॉरेन बार्ड्सले को पहली गेंद पर आउट किया था. इसके 48 साल बाद ज्योफ अर्नोल्ड ने 1974 में बर्मिंघम टेस्ट की पहली गेंद पर भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर को पवेलियन भेजा था. 2007 में रयान साइडबॉटम ने वेस्टइंडीज के डेरेन गंगा को चेस्टर-ले-स्ट्रीट टेस्ट की पहली गेंद पर आउट किया था.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

**वायु** – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

**जल**– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

**आकाश**– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

**पृथ्वी**– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

**अग्नि**–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

# पेट दर्द के घरेलू उपचार

**अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।**

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

# आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

**मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।**

## होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

# अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

**आर्सेनिक एलबम** 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

**केनाबिस इंडिका** 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

**हायोसाइमस नाइगर** 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

**कैफिया क्रूडा** 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

**एकोनाइटम नैपेलस** 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

**इग्नेशिया अमारा** 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

**पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)**– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## स्कूल का प्राचार्य निलंबित, तीन रसोइया को किया बर्खास्त, खाने में मिला डिटर्जेंट

नालंदा (एजेंसी)। नालंदा के स्कूल में मिड-डे-मील खाने से 34 बच्चों की तबीयत बिगड़ने के मामले में नूरसराय प्रखंड के परासी मध्य विद्यालय के हेडमास्टर को निलंबित कर दिया गया है, साथ ही स्कूल में काम कर रहीं तीन रसोइयों को भी बर्खास्त कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा विभाग ने जांच और कार्रवाई तेज कर दी है। घटना मंगलवार को सामने आई थी। जहां स्कूल में खाना खाने के दौरान कुछ बच्चों ने नमक मांगा। आरोप है कि नमक के डिब्बे में डिटर्जेंट पाउडर मिला था, जिससे बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। कुल 34 बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया था।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले में रसोइया ने दावा किया कि नमक के डिब्बे में पहले से ही सर्फ मिला हुआ था। उसे इसकी जानकारी नहीं थी। बच्चों के नमक मांगने पर उसी डिब्बे से नमक परोस दिया गया, जबकि स्कूल के एक शिक्षक ने बताया कि कई बच्चे पहले ही खाना खाकर जा चुके थे, जबकि बाद में नमक मांगने वाले कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ी। घटना के बाद डीईओ ने कार्रवाई करते हुए हेडमास्टर को निलंबित कर दिया। तीनों रसोइयों को भी कार्यमुक्त कर दिया है। इसके अलावा डीपीओ और मध्यान्ह भोजन पदाधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। नूरसराय के बीईओ को मामले में दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज कराने का निर्देश दिया है।

## वाराणसी में गंगा ने दिखाया रौद्र रूप, घाट-मंदिर भी डूबे, रिहायसी इलाकों में घुसा पानी

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में गंगा ने रौद्र रूप धारण कर चुकी है। लगातार बढ़ता जलस्तर अब लोगों को डराने लगा है। वाराणसी के घाट-मंदिर सब कुछ गंगा के जल में समा चुके हैं और अब गंगा का पानी रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। वाराणसी के सभी 84 घाट जलमग्न हो गए हैं। घाट डूबने के बाद अब गलियों में गंगा तेजी से बढ़ रही है। अगले 24 घण्टे सबसे अहम है क्योंकि रफ्तार यूं ही रही तो अगले 24 घण्टे में गंगा खतरे के निशान को पार कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय नाविक ने बताया कि बीते दो दिनों में तूफानी रफ्तार से गंगा का जलस्तर बढ़ा है। इन दो दिनों में करीब 10 फीट तक गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है, जिसके कारण नाविकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पूरी रात नावों की निगरानी कर रहे है। इसके साथ ही लगातार बढ़ते जलस्तर से बार बार उसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर बांधना भी पड़ रहा है। वहीं पुरोहित भी अपने चौकियों को घाटों से हटाकर गलियों में शिफ्ट कर रहे हैं। घाट किनारे छोटे दुकानदारों की ऑफत भी बढ़ गई है क्योंकि उनकी दुकानों तक पानी पहुंच गया है। तटवर्ती इलाकों में भी घरों तक गंगा का पानी पहुंच गया है, जिसके कारण लोग अब घरों को छोड़ राहत शिविर में जा रहे हैं। प्रशासन ने 40 से ज्यादा बाढ़ राहत शिविर लगाए हैं, इसके साथ ही 21 बाढ़ चौकियां भी बनाई है। इन सब के अलावा जल पुलिस, एनडीआरएफ की टीम को भी प्रशासन ने पूरी तरह से सक्रिय रखा है। गंगा में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं से भी गहरे पानी में स्नान नहीं करने की चेतावनी दी जा रही है।

## राधा की रसोई में मिले जिंदा चूहे, कॉकरोच व गंदगी, टीम ने किया फूड लाइसेंस निलंबित

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में बाहर खाना खाने वाले लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा पर सवाल महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की जांच के बाद उठ रहे हैं। एफडीए की जांच में मलाड पश्चिम स्थित होटल राधा की रसोई में ऐसी खामियां सामने आईं, जिनके बाद उसका फूड बिजनेस लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। बताया जाता है कि एफडीए ने राधा की रसोई होटल में 18 अगस्त को छापा मारा था। होटल पर छापेमारी करने पहुंचे अधिकारियों को रसोई में जिंदा चूहे और कॉकरोच मिले थे, रसोई के नाले खुले और खराब हालत में मिले, जिससे कीड़े-मकोड़ों के साथ ही चूहों के लिए भी सीधे प्रवेश का रास्ता था। रिपोर्ट के मुताबिक एफडीए अधिकारियों ने खाना तैयार करने वाले उपकरणों पर भी कॉकरोच पाए गए। किचन में तेल और ग्रीस की मोटी परतें, पानी जमा होने से बदबू, गंदे काउंटर और बर्तनों के साथ-साथ खाद्य सामग्री के स्टोरेज में भी लापरवाही पाई गई। निरीक्षण में खुले डस्टबिन के ऊपर टोस्टर रखा मिला, वहीं कुछ खाद्य सामग्री धूल और गंदगी के बीच रखी थी। कई बर्तनों में जंग के निशान भी पाए गए यानी समस्या केवल सफाई की नहीं, बल्कि उस पूरे सिस्टम की थी जिसमें खाना तैयार करने के साथ ही स्टोर किया जा रहा था। होटल राधा के मामले में एफडीए ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए निर्माण, भंडारण, बिक्री और वितरण से जुड़ी गतिविधियों को तत्काल रोकने का आदेश दिया। रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र में खाद्य सुरक्षा को लेकर इस समय कार्रवाई तेज हुई है। हाल की जांच में मुंबई और महाराष्ट्र के कई होटल, रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में गंभीर स्वच्छता संबंधी खामियां पाई गई हैं। हालिया कार्रवाई में 31 प्रतिष्ठानों की जांच में करीब 25 लाख रुपए के खाद्य उत्पाद जब्त किए गए और पांच के लाइसेंस निलंबित किए। अब सवाल यह है कि जिन रसोइयों में ग्राहक के लिए खाना तैयार होता है, वहां रोजमर्रा की सफाई और खाद्य सुरक्षा की निगरानी कितनी गंभीरता से की जाती है।

# शुद्धिकरण मामले पर नेताओं के समर्थन नहीं देने से दुखी हुए खड़गे

### खरगे ने सीडब्ल्यूसी बैठक में जताई नाराजगी

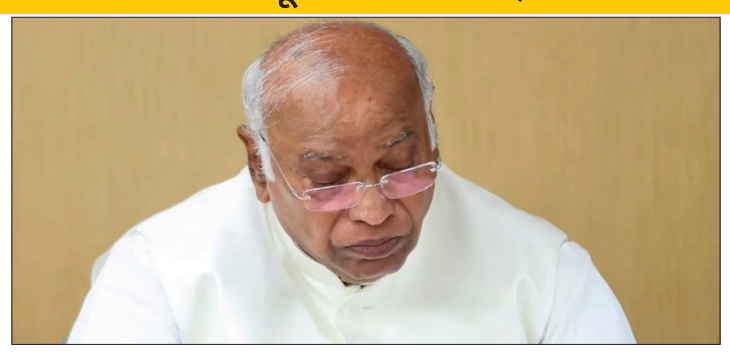

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बुधवार को हुई बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में कथित शुद्धिकरण मामले को लेकर पार्टी के कुछ नेताओं के रवैये पर नाराजगी जताई। बैठक में मौजूद लोगों के मुताबिक, खड़गे ने दुख जाहिर करते हुए कहा कि कार्य समिति के कई सदस्य खुलकर उनके समर्थन में नहीं आए और घटना की निंदा भी नहीं की। हालांकि, खड़गे की प्रतिक्रिया को लेकर पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई विस्तृत बयान नहीं दिया गया है।
बैठक में खरगे ने कथित तौर पर कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि सीडब्ल्यूसी के सदस्य, खासकर वे नेता जो लगातार मीडिया में सक्रिय रहते हैं, उन्होंने इस मामले पर खुलकर कुछ नहीं कहा। उन्होंने किसी नेता का नाम नहीं लिया, लेकिन यह संकेत जरूर दिया कि कुछ नेता पार्टी लाइन से हटकर बयान देते और लेख लिखते हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बैठक के बाद कहा कि पार्टी ने हल्द्वानी में खरगे की सभा के बाद कथित तौर पर मंच के शुद्धिकरण की घटना का विरोध किया था और इसकी निंदा भी की थी। उन्होंने घटना को अस्वीकार्य बताया और भाजपा पर निशाना साधा। उनके मुताबिक, सीडब्ल्यूसी ने भी इस मामले की निंदा की है।
यह मामला 12 अगस्त को खरगे के हल्द्वानी दौरे के बाद सामने आया था। खरगे ने रामलीला मैदान में सभा को संबोधित किया था। इसके बाद आरोप लगे कि उनके भाषण वाले मंच पर शुद्धिकरण अनुष्ठान कराया गया। उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने आरोप लगाया था कि शुद्धिकरण कराने वाला संगठन भाजपा से जुड़ा है और यह कार्रवाई खरगे के दलित समुदाय से आने के कारण की गई। भाजपा ने इन आरोपों से इनकार करते हुए संगठन से किसी भी तरह के संबंध से भी इनकार किया था। खरगे ने 13 अगस्त को राज्यसभा में भी इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने कहा था कि उनकी रैली के बाद मंच का हवन कर शुद्धिकरण किया गया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने इस घटना को दुखद बताते हुए अपने संवैधानिक पद और विपक्ष के नेता होने का भी उल्लेख किया था। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी घटना की निंदा करते हुए जांच की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा इस तरह की गतिविधियों का समर्थन नहीं करती और मामले की तहकीकात कराई जाएगी। वहीं, भाजपा ने कांग्रेस पर राजनीतिक लाभ के लिए पार्टी की छवि खराब करने का आरोप लगाया था।

## राजीव गांधी की भूमिका भारत को आधुनिक, समृद्ध और सशक्त बनाने में अहम रही : रक्षामंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनको श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत की विकास यात्रा में राजीव गांधी का भी अहम योगदान रहा है। रक्षा मंत्री ने एक्स पर लिखा कि भारत के पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पूर्व पीएम राजीव गांधी की भूमिका भारत को आधुनिक, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र बनाने में अहम रही। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को विश्व में वर्तमान स्थान दिलाया और इसीलिए उन्हें भारत में सूचना प्रौद्योगिकी का जनक कहा जाता है। पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती को हर साल सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने राजीव गांधी की समाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोशल मीडिया पर लिखा- पूर्व पीएम राजीव गांधी ने भारत के निर्माण और तरक्की के लिए आधुनिक तकनीक और नए विचारों को अपनाने में विश्वास जताया। इसके लिए यह बेहद जरूरी था कि युवाओं की भागीदारी और उनकी प्रतिभा को विकसित करने के लिए समुचित व्यवस्था और अवसर प्रदान किए जाएं। पायलट ने लिखा- अपनी दूरदर्शिता से उन्होंने देश में आधुनिकरण की नई परिभाषा गढ़ी। कंप्यूटर और दूरसंचार क्रांति के विस्तार जैसे अहम फैसलों ने देश को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। आज उनकी जयंती पर उन्हें हृदय की गहराइयों से नमन करता हूं। वहीं कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने एक्स पर लिखा- राजीव गांधी न केवल भारत के प्रधानमंत्री थे बल्कि युवाओं के सबसे बड़े समर्थकों में से एक थे, एक ऐसे नेता जिनका मानना ??था कि युवा भारतीय न केवल भविष्य हैं बल्कि वे शक्ति हैं जो एक आधुनिक राष्ट्र का निर्माण करेंगे। आधुनिक, तकनीकी रूप से उन्नत और आर्थिक रूप से सशक्त भारत का उनका विजन कांग्रेस पार्टी के लिए प्रेरणा और जिम्मेदारी है।

## वंदे मातरम: 1937 में हुई कांग्रेस की बैठक में लिए गए फैसले को ही मानेगी पार्टी

### -बीजेपी बोली- कांग्रेस आज की नई मुस्लिम लीग बन गई

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
वंदे मातरम पर जारी सियासी बवाल के बीच कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने इसके दो छंद ही गाने का प्रस्ताव पास किया है। कांग्रेस का कहना है कि उनके लिए वंदे मातरम भावनात्मक मुद्दा है जबकि बीजेपी के लिए ये राजनीतिक मुद्दा है। वहीं बीजेपी ने इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि कांग्रेस आज की नई मुस्लिम लीग बन गई है। वंदे मातरम में कुल 6 छंद हैं, लेकिन कांग्रेस का कहना है कि पार्टी 1937 में हुई कांग्रेस की बैठक में लिए गए फैसले को ही मानेगी। उसने हालिया कानून पर कड़ी आपत्ति जताई है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि दो छंद को लेकर 28 अक्टूबर 1937 को रवींद्रनाथ टैगोर के सुझाव पर महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और मौलाना आज़ाद की मौजूदगी में सीडब्ल्यूसी की बैठक में वंदे मातरम पर एक प्रस्ताव पारित किया गया था। सीडब्ल्यूसी की आज की बैठक में उस प्रस्ताव पर चर्चा हुई...कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पुराने प्रस्ताव का एक हिस्सा भी पढ़कर सुनाया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कोई विवाद नहीं है। इसे जानबूझकर मुद्दा बनाया जा रहा है, जबकि आज असली मुद्दे युवा, परीक्षाएं, चंदा चोरी और विदेश नीति की विफलता हैं। रमेश ने कहा कि हमारा रुख पहले दिन से ही साफ रहा है कि 28 अक्टूबर 1937 को हमारे पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि राष्ट्रगान जन गण मन... होगा और वंदे मातरम हमारा राष्ट्रगीत होगा।

# छात्र प्रदर्शनों पर सीएम योगी सख्त, निगरानी के लिए नोडल अफसर तैनात

### लापरवाही पर तय होगी अफसरों की जवाबदेही

**लखनऊ, एजेंसी।**
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई जिलों में शिक्षण संस्थानों की अव्यवस्थाओं, शिक्षकों की कमी और कुप्रबंधन को लेकर छात्रों के प्रदर्शन को गंभीरता से लिया है। लखनऊ, आजमगढ़, महोबा, हमीरपुर और उन्नाव समेत कई जिलों में सामने आई समस्याओं पर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए हैं। साथ ही शिक्षण संस्थानों की निगरानी के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।
मुख्यमंत्री के निर्देश पर बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा, समाज कल्याण और श्रम विभाग के तहत आने वाले शिक्षण संस्थानों की अलग-अलग नामित अधिकारियों के जरिए निगरानी की जाएगी। जहां भी व्यवस्थाओं में कमी या शिकायत सामने आएगी, उसका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को चिह्नित कर उनकी जवाबदेही तय की जाएगी। सर्वोदय विद्यालयों में 1 अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के बावजूद शिक्षकों की तैनाती में देरी को भी सरकार ने गंभीरता से लिया है। शिक्षकों की नियुक्ति के लिए जून में विज्ञापन जारी करने की प्रक्रिया में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को चिह्नित करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि पठन-पाठन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को स्कूलों से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारियों को ऐसे मामलों की तत्काल जांच कर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से तथ्यात्मक जवाब देने को कहा गया है। इसका उद्देश्य भ्रामक सूचनाओं पर रोक लगाने के साथ वास्तविक समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करना है। इसके अलावा बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं को बेहतर करने, साफ-सफाई बनाए रखने और छात्रों व अभिभावकों से नियमित संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। बारिश के मौसम को देखते हुए स्कूलों में जलभराव और स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए ब्लॉक स्तर पर भी आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है।

## मणिपुर में 20 से 22 अगस्त तक बंद रहेंगे सभी स्कूल-कॉलेज

### कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सरकार का फैसला, परिसीमन और एनआरसी के मुद्दे पर 48 घंटे की हड़ताल जारी

**इंफाल, एजेंसी।**
मणिपुर सरकार ने राज्य में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सभी स्कूल, कॉलेज और उच्च शिक्षण संस्थानों को 20 से 22 अगस्त तक बंद रखने का आदेश जारी किया है। शिक्षा विभाग की ओर से बुधवार को जारी आदेश में सरकारी, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त सभी शिक्षण संस्थानों को इस अवधि में बंद रखने की घोषणा की गई है।
आदेश के मुताबिक, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) या अन्य बोर्ड से संबद्ध स्कूलों के साथ-साथ कॉलेजों और विश्वविद्यालयों पर भी यह आदेश लागू होगा। सरकार ने यह निर्णय राज्य में बनी मौजूदा परिस्थितियों और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लिया है। इस बीच, राज्य में जनगणना प्रक्रिया शुरू होने से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को अपडेट करने और परिसीमन प्रक्रिया को लेकर 'कैम्पेन फॉर जस्ट एंड फेयर डीलिमिटेशन' (जेएफडी) की ओर से बुलाई गई 48 घंटे की आम हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही। घाटी के विभिन्न जिलों में प्रदर्शनकारियों ने रैलियां निकालीं और कई स्थानों पर नेताओं के पुतले जलाए।

#### सरकारी कार्यालयों के बहिष्कार का ऐलान

जेएफडी ने अपने आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए गुरुवार से सरकारी कार्यालयों के बहिष्कार का आह्वान किया है। संगठन की मांग है कि जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी को अपडेट किया जाए और परिसीमन की प्रक्रिया को लेकर उचित एवं न्यायपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।
इंफाल पूर्व जिले के खुरई लामलोंग इलाके में प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह और गृह मंत्री गोविंददास कोंथौजम के पुतले जलाए। इसके अलावा घाटी के अन्य हिस्सों में भी प्रदर्शन और रैलियां आयोजित की गईं। राज्य में जारी आंदोलन और कानून-व्यवस्था से जुड़ी परिस्थितियों के बीच सरकार के स्कूल-कॉलेज बंद रखने के फैसले से शैक्षणिक गतिविधियां तीन दिन तक प्रभावित रहेंगी। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

## चेन्नई में अमित शाह ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से की मुलाकात

### -31वीं क्षेत्रीय परिषद बैठक से पहले हुई मुलाकात, अंतरराज्यीय मुद्दों और क्षेत्रीय सहयोग पर जोर

**कानपुर, एजेंसी।**
चेन्नई,(ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय से मुलाकात की। मई में मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली आधिकारिक मुलाकात बताई गई है। यह बैठक दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों की 31वीं क्षेत्रीय परिषद बैठक से ठीक पहले हुई। बैठक में केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग बढ़ाने तथा लंबे समय से लंबित अंतरराज्यीय मुद्दों के समाधान पर चर्चा होने की संभावना है।
अमित शाह ने मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा कीं। क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता गृह मंत्री करेंगे, जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री मेजबान राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर इसमें शामिल होंगे। बैठक में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना के मुख्यमंत्री तथा पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के उपराज्यपाल एवं प्रशासक हिस्सा लेने की उम्मीद है।
बैठक में विभिन्न राज्यों के बीच नदी जल बंटवारे से जुड़े विवाद प्रमुख मुद्दों में शामिल रहेंगे। इनमें कर्नाटक-तमिलनाडु, तेलंगाना-आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु-केरल के बीच पानी के बंटवारे से जुड़े मामले शामिल हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के प्रावधानों, क्षेत्रीय विकास और केंद्र की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी विचार-विमर्श होने की संभावना है।

## नई जंग- भारत-पाकिस्तान के बीच दूतावास के बाहर बने ढांचे तोड़ने की होड़

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
भारत और पाकिस्तान के बीच नई जंग शुरू हो गई है। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास के बाहर बने अनाधिकृत ढांचों और अतिक्रमण पर बुल्डोजर चलाकर उसकी सफाई की गई। इससे पहले पाकिस्तान ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय दूतावास के पास बने कुछ निर्माण कार्यों को हटाया था। इस तरह दोनों देशों के बीच ढांचा हटाओ की होड़ लगी हुई है।
ये ढांचे हाई कमीशन के वीजा सेक्शन के पास और निर्धारित परिसर की सीमा से बाहर बताए जा रहे हैं। संबंधित एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए इन संरचनाओं को साफ कर दिया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले इस्लामाबाद स्थित भारतीय हाई कमीशन के बाहर लगे पार्किंग पोल पाकिस्तान ने हटा दिए थे। ऐसे में दिल्ली में हुई कार्रवाई को उसी का जवाब माना जा रहा है। हालांकि भारतीय कार्रवाई का आधिकारिक आधार अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण बताया गया है।भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर दोनों देश पहले भी एक-दूसरे के राजनयिक मिशनों से जुड़ी सुविधाओं पर प्रशासनिक कदम उठाते रहे हैं। इनमें राजनयिक कर्मचारियों की संख्या घटाना, आवाजाही सीमित करना और मिशन से जुड़ी सुविधाओं पर प्रतिबंध शामिल रहे हैं। ताजा घटनाक्रम को भी इसी सिलसिले की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

#### रिश्तों में तनाव की बड़ी वजह आतंकवाद

दोनों देशों के संबंधों में मौजूदा तनाव की प्रमुख वजह सीमा पार आतंकवाद है। अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद स्थिति और बिगड़ गई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। जवाबी कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच गंभीर सैन्य तनाव पैदा हुआ और बाद में संघर्ष विराम हुआ। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य नहीं हो सके हैं। व्यापार और आवाजाही सीमित हैं, जबकि वीजा व्यवस्था और राजनयिक मिशनों की गतिविधियां भी पहले की तुलना में काफी कम हो गई हैं।
भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को भी स्थगित रखा है। नई दिल्ली का कहना है कि पाकिस्तान जब तक सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठाता, तब तक संधि पर यही स्थिति रहेगी। हालांकि दोनों देशों के बीच सैन्य स्तर पर संपर्क पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच संपर्क बना हुआ है। भारत का स्पष्ट रुख है कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर हुई ताजा कार्रवाई को केवल अतिक्रमण हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई के बजाय मौजूदा भारत-पाक तनाव के व्यापक संदर्भ में भी देखा जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

## ट्रंप का दावा : 2020 चुनाव में 24 हजार गैर-नागरिकों ने डाला वोट; क्या जांच में और बढ़ेगा आंकड़ा

**वाशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एक बार फिर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी जनगणना ब्यूरो 2020 के मतदाता आंकड़ों को नागरिकता संबंधी जानकारी से मिलाकर जांच कर रहा है। ट्रंप ने दावा किया कि शुरुआती 12.8 करोड़ मतदाताओं की जांच में 24 हजार से ज्यादा गैर-नागरिकों ने अवैध तरीके से मतदान किया। ट्रंप ने कहा, जनगणना ब्यूरो ने 2020 के मतदाता आंकड़ों को उनके नागरिकता रिकॉर्ड से मिलाकर जांच शुरू कर दी है। पहले 128,000,000 मतदाताओं की जांच में जनगणना ब्यूरो ने साबित किया है कि 24 हजार से ज्यादा गैर-नागरिकों ने अवैध रूप से वोट किया। जनगणना ब्यूरो अब अगले 3.2 करोड़ मतदाताओं का विश्लेषण करने जा रहा है और यह संख्या बहुत बढ़ जाएगी। इससे पहले ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था की तारीफ करते हुए कांग्रेस से सेव अमेरिका एक्ट पारित करने की अपनी मांग फिर दोहराई। ट्रुथ सोशल पर एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ हाल की बातचीत का जिक्र किया और भारत में मतदाताओं के लिए फोटो पहचान पत्र के इस्तेमाल की बात कही। ट्रंप ने कहा, इस महीने की शुरुआत में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा- अमेरिका में वैध फोटो पहचान पत्र के बिना आप चुनाव कैसे करा सकते हैं उन्होंने भारत में हुए सबसे हाल के आम चुनाव का भी जिक्र किया और कहा- भारत के पिछले चुनाव में 646,000,000 मतदाता थे। 1 प्रतिशत से भी कम लोगों ने डाक से मतदान किया और हर एक मतदाता के पास एक वैध फोटो पहचान दस्तावेज होना जरूरी था।

## जमात फैक्टर में उलझी बांग्लादेशी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा; तीस्ता कितना बड़ा मसला

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान को सितंबर में वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से द्विपक्षीय यात्रा का निमंत्रण भी दिया गया है। ढाका अब तक इस यात्रा का फैसला नहीं कर पाया है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय का कहना है कि यात्रा के लिए अनुकूल माहौल बनना जरूरी है और शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा भी उठाया जा रहा है। लेकिन, असल मसला जमात-ए-इस्लामी फैक्टर से जुड़ा हुआ है। रहमान की दुविधा केवल यह नहीं है कि भारत से उन्हें क्या हासिल करना है। उन्हें यह भी देखना है कि भारत के साथ किसी बड़े मेलमिलाप की घरेलू राजनीतिक कीमत कितनी होगी। बांग्लादेश के हालिया आम चुनाव में जमात-ए-इस्लामी प्रमुख विपक्ष बनकर उभरा है। उसके पास 68 सीटें हैं और उसके अमीर शफीकुर रहमान विपक्ष के नेता हैं। इतनी मजबूत और संगठित इस्लामवादी ताकत को राजनीतिक रूप से नजरअंदाज करना आसान नहीं है। जमात भारत से संबंध तोड़ना नहीं चाहती है। पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में भारत के साथ पारस्परिक सम्मान और निष्पक्षता के आधार पर संबंधों की बात की थी। समस्या भारत के साथ संबंधों की शर्तों और पुराने राजनीतिक अविश्वास की है।

## ईरान के निशाने पर यूएई : दागी गईं दो बैलिस्टिक मिसाइलें, एक क्षेत्रीय जल में गिरी; रक्षा मंत्रालय ने खोला राज

**दुबई, एजेंसी।** संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की ओर मिसाइल खतरे को लेकर जारी अलर्ट के बाद देश के रक्षा मंत्रालय ने बड़ा दावा किया है। मंत्रालय के मुताबिक, एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान से यूएई की दिशा में दागी गईं दो बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों मिसाइलों में से पहली देश के क्षेत्रीय जल से बाहर जा गिरी, जबकि दूसरी मिसाइल यूएई के क्षेत्रीय जल में गिरी। मंत्रालय के बयान के मुताबिक, इस घटना के बाद भी देश की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सतर्क है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि वह हाई अलर्ट पर है और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि देश की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी कोशिश का मजबूती से सामना किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, यूएई का उद्देश्य देश की संप्रभुता, सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखना है। साथ ही राष्ट्रीय हितों और क्षमताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाने की तैयारी है।

# रहमान के भारत दौरे को यादगार बनाना चाहते हैं पीएम मोदी; अधिकारियों को दिया गया निर्देश

**ढाका, एजेंसी।** भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में हालिया तनाव के बावजूद नई दिल्ली संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश कर रही है। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का प्रस्तावित भारत दौरा यादगार हो। भारत ने आपसी भरोसे, व्यापार, निवेश और युवाओं के लिए अवसरों को द्विपक्षीय संबंधों का आधार बनाने पर जोर दिया है। हालांकि, शेख हसीना के प्रत्यर्पण और उनके भारत से दिए गए हालिया मीडिया संदेश को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद अब भी बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

**रहमान के स्वागत को लेकर पीएम मोदी का भरोसा :** राजदूत की ये बातें मंगलवार को ऐसे समय में सामने आईं, जब 12-13 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में रहमान के प्रस्तावित दौरे को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। यह अनिश्चितता ढाका की ओर से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच पैदा हुई नई तल्खी के कारण है। द बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, त्रिवेदी ने मंगलवार को भारतीय उच्चायोग की ओर से बांग्लादेश के प्रमुख कारोबारी नेताओं और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल के लिए

आयोजित एक स्वागत समारोह में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संदेश था कि दोनों नेताओं को मुलाकात करनी चाहिए।

**मोदी चाहते हैं दौरा बने यादगार :** बैठक के दौरान राजदूत त्रिवेदी ने भरोसा दिलाया कि भारत दौरे के दौरान पीएम रहमान का उचित और सम्मानजनक स्वागत किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने बस एक बात कही। हमें मिलना चाहिए। और आप मेरी तरफ से उन्हें बता सकते हैं कि उन्हें भारत के प्रधानमंत्री का भरोसा है कि जब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री भारत आएंगे, तो उनका वैसा ही सम्मानजनक स्वागत होगा, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों नेताओं के बीच मजबूत संबंधों से अंततः दोनों पड़ोसी देशों के लोगों और कारोबारियों को फायदा मिलेगा। इस अंतर को पाटने में दुनिया भर के व्यापारियों की बड़ी भूमिका है।

**अतीत के मतभेदों को सुलझाकर आगे बढ़ने की अपील :** त्रिवेदी ने कहा कि दोनों देशों को भविष्य की ओर देखते हुए अतीत के मतभेदों को सुलझाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि आप अतीत को भूल जाएं, लेकिन अतीत को ध्यान में रखते हुए पुराने मतभेदों को सुलझाएं। और आगे बढ़ें। एक जगह न रुकें। जीवंत लोकतंत्रों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है और बातचीत तथा आपसी जुड़ाव के जरिए उन्हें सुलझाया जा सकता है। हम बांग्लादेश के भाइयों और बहनों की चिंताओं को अच्छी तरह समझते हैं। लेकिन यह बराबरी की साझेदारी है।

**रिश्तों की बुनियाद है आपसी भरोसा :** उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच टिकाऊ रिश्तों के लिए आपसी विश्वास बेहद जरूरी होगा। किसी भी लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते की नींव आपसी और बिना शर्त भरोसा होती है। भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति पर जोर देते हुए त्रिवेदी ने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों में कुछ मुश्किलें जरूर आई हैं, लेकिन इन मुश्किलों को व्यापक द्विपक्षीय संबंधों को कमजोर करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

**हसीना को लेकर फिर बढ़ी भारत-बांग्लादेश की तल्खी :** 5 अगस्त को नई दिल्ली से हसीना की वर्चुअल मीडिया बातचीत के बाद हाल के दिनों में दोनों देशों के रिश्तों में आई तल्खी के बीच रहमान की प्रस्तावित भारत यात्रा का मुद्दा अहम हो गया है। बांग्लादेश ने इस मीडिया बातचीत पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कार्यक्रम से वहां के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और इसका भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिशों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हसीना से जुड़े इस मीडिया कार्यक्रम में उसकी कोई भूमिका नहीं थी और वह उस मंच पर बांग्लादेश सरकार के बारे में कही गई किसी भी बात का समर्थन नहीं करता है।

**हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर जारी है गतिरोध :** अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद हसीना को सत्ता से हटा दिया गया था और वह भारत आ गई थीं। नवंबर 2025 में बांग्लादेश की एक विशेष ट्रिब्यूनल ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान कथित ÷मानवता के खिलाफ अपराधों÷ के लिए उन्हें उनकी गैर-मौजूदगी में मौत की सजा सुनाई। इसके बाद से ढाका लगातार भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। वहीं, नई दिल्ली का कहना है कि प्रत्यर्पण के अनुरोध की जांच लागू कानूनों और स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं के तहत की जा रही है।

# पिया डांडिया ने फ्लोरिडा में डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीता; अब किससे होगा मुकाबला

**वाशिंगटन, एजेंसी।** भारतीय मूल की अमेरिकी और स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल पिया डांडिया ने फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेस क्षेत्र के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राथमिक चुनाव जीत लिया है। अब नवंबर में होने वाले चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के कैसी असकर से होगा। कैसी असकर पूर्व नौसैनिक हैं। डांडिया को 68.6 फीसदी मत मिले। उन्होंने वकील कायसिया अर्ली को हराया, जिन्हें 31.4 फीसदी मत मिले।

**पिया डांडिया ने क्या कहा :** डांडिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, फ्लारिडा-22, इस अभियान पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद। मैं अपने छात्रों, अपने बेटे और इस जिले में बड़े हो रहे हर उस बच्चे के लिए चुनाव में उतरी, जो बेहतर भविष्य का हकदार है। उन्होंने कहा, साथ मिलकर हम खर्च कम करने, भ्रष्टाचार खत्म करने और वॉशिंगटन को फिर से हमारे लिए काम करने वाला बनाने के अभियान को आगे बढ़ाएंगे। मैं आप सभी के साथ यह करने के लिए आभारी हूं। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी (डीएनसी) ने प्राथमिक चुनाव में डांडिया की जीत पर उन्हें बधाई दी। कमेटी ने एक बयान में कहा, एक शिक्षिका और अपने समुदाय में लंबे समय से नेतृत्व करने वाली पिया ने लोगों के लिए नए अवसर बढ़ाने और कामकाजी परिवारों के लिए लड़ने के लिए खुद को समर्पित

किया है। वह दक्षिण फ्लोरिडा के परिवारों के लिए किराने का सामान, स्वास्थ्य सेवाओं और घर की लागत कम करने के लिए कांग्रेस में लड़ने के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया, डीएनसी पिया को जिताने, इस सीट को पलटने और नवंबर में सदन में बहुमत वापस लाने में मदद करने के लिए तैयार है।

**पहले किस सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं डांडिया :** भारत से अमेरिका जाकर बसे माता-पिता की बेटी डांडिया ने इससे पहले फ्लोरिडा के 21वें जिले से रिपब्लिकन पार्टी के ब्रायन मास्ट को चुनौती देने की कोशिश की थी। ब्रायन मास्ट विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं। हाई स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल डांडिया बाद में दक्षिण फ्लोरिडा के 22वें जिले में चली गईं। यह सीट चुनावी क्षेत्र के नए परिसीमन में बनाई गई थी और यहां कोई मौजूदा सांसद चुनाव मैदान में नहीं था।

## 27 साल अमेरिका में रहीं, ग्रीन कार्ड भी था; फिर भी भारतीय मूल की महिला हिरासत में, क्यों हुई कार्रवाई

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** भारतीय मूल की वेंकटा वसमसेट्टी को अमेरिकी इमिग्रेशन एवं कस्टम्स एन्फोर्समेंट यानी आईसीई ने हिरासत में लिया है। वसमसेट्टी वर्ष 1999 में अमेरिका गई थीं और करीब 27 साल से वहीं रह रही थीं। वर्ष 2013 से वह ग्रीन कार्ड धारक हैं। इसके बावजूद उनके खिलाफ निर्वासन की कार्रवाई शुरू हुई थी।

परिवार के लिए मामला इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि इमिग्रेशन कोर्ट कुछ महीने पहले ही उनके खिलाफ चल रहा निर्वासन मामला खारिज कर चुका था। मामले की शुरुआत वर्ष 2022 की एक यात्रा से जुड़ी है। वसमसेट्टी अपने बीमार माता-पिता की देखभाल के लिए भारत आई थीं। इसी दौरान वह कोविड से संक्रमित हो गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण उनकी अमेरिका वापसी में देरी हुई। वह करीब सात महीने बाद फरवरी 2023 में अमेरिका लौटीं। अमेरिकी सरकार ने लंबे समय तक अमेरिका से बाहर रहने को इस सवाल से जोड़ा कि क्या उन्होंने अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ दिया था। वसमसेट्टी के परिवार और उनकी कानूनी टीम का कहना है कि भारत में रहने के दौरान भी उनका अमेरिका से संबंध बना हुआ था। उनके मुताबिक, अमेरिका में उनका घर, नौकरी और पारिवारिक संबंध मौजूद थे। यानी भारत में लंबे समय तक रुकने के बावजूद उनका इरादा अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ने का नहीं था। इसी मामले में उनके खिलाफ निर्वासन की प्रक्रिया आगे बढ़ी थी।

वसमसेट्टी के वकील के अनुसार, सरकार तय समयसीमा में उनके खिलाफ जरूरी सबूत पेश नहीं कर सकी। इसके बाद 19 मई 2026 को इमिग्रेशन जज ने उनके खिलाफ चल रहा निर्वासन का मामला खारिज कर दिया। कानूनी टीम का कहना है कि इस फैसले के बाद भी वसमसेट्टी वैध स्थायी निवासी बनी रहीं। इसके बावजूद उन्हें आईसीई के साथ नियमित चेक-इन के लिए बुलाया जाता रहा। 11 अगस्त को वसमसेट्टी नॉर्थ कैरोलिना के शार्लोट स्थित आईसीई कार्यालय में नियमित चेक-इन के लिए पहुंचीं।

# तय समय से पहले खत्म होगा अमेरिका-दक्षिण कोरिया का सैन्य अभ्यास; क्या है ट्रंप के फैसले की वजह

**सिओल, एजेंसी।** अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच इस हफ्ते की शुरुआत में शुरू हुआ संयुक्त सैन्य अभ्यास उल्ची फ्रीडम शील्ड (यूएफएस) तय समय से पहले खत्म किया जाएगा। अभ्यास के तहत होने वाला मैदानी प्रशिक्षण भी कम किया जाएगा।

दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने सेना के हवाले से इसकी पुष्टि की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में इस सैन्य अभ्यास का आकार घटाने की बात कही थी, जिसके बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। योनहाप के मुताबिक, दोनों देशों की सेनाओं ने सैन्य अभ्यास को शुक्रवार तक खत्म करने पर सहमति जताई है। इससे अभ्यास की अवधि करीब आधी रह जाएगी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने एक बयान में यह जानकारी दी।

यूएफएस सैन्य अभ्यास 17 से 27 अगस्त तक चलने वाला था। ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के मुताबिक, सैन्य अभ्यास का एक अहम हिस्सा मैदानी प्रशिक्षण भी कुछ हद तक कम किया जाएगा। दोनों देशों की सेनाओं के बीच इसको लेकर बातचीत चल रही है। जल्द ही इसकी पूरी योजना तय की जाएगी। उन्होंने कहा, दक्षिण कोरिया और अमेरिका यूएफएस अभ्यास के उद्देश्यों को हासिल करने और दोनों देशों की सेनाओं की मजबूत संयुक्त रक्षा व्यवस्था बनाने के लिए आगे अलग-अलग कदमों पर चर्चा करने और उन्हें लागू करने पर सहमत हुए हैं। योनहाप के मुताबिक, अमेरिका और सिओल ने अभ्यास के दूसरे हिस्से को कथित तौर पर रद्द कर दिया है। इस हिस्से में दुश्मन के हमले के बाद जवाबी हमला करने की स्थिति का प्रशिक्षण होना था। समाचार एजेंसी ने बताया कि यूएफएस का मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया से जुड़े संभावित खतरों से निपटने की तैयारी करना है। उसने यह भी बताया कि 2019 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान भी अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास के आकार को कम किया गया था। उस समय उत्तर कोरिया के साथ परमाणु मुद्दे पर बातचीत अपने सबसे अहम दौर में थी। इस बीच, सीएनएन ने दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी सेना के एक प्रवक्ता के हवाले से बताया कि इस साल के सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया की बदलती सैन्य क्षमताओं के हिसाब से तैयार किया गया था। इसमें ड्रोन, जीपीएस व्यवस्था में रुकावट और साइबर हमलों से निपटने का प्रशिक्षण भी शामिल किया जाना था।

## समुद्र के बाद जमीन पर भी रॉकेट की सफल वापसी; क्या स्पेसएक्स को टक्कर देने की तैयारी में चीन

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन ने पहली बार किसी रॉकेट के पहले हिस्से को जमीन पर सफलतापूर्वक वापस उतार लिया है। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। चीन अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए इस तकनीक को विकसित कर रहा है। जमीन पर रॉकेट के पहले हिस्से को वापस उतारना चीन की पहली सफल कोशिश है। लेकिन रॉकेट के किसी हिस्से को वापस हासिल करने की यह चीन की दूसरी सफलता है। इससे पहले जुलाई में समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर रॉकेट के हिस्से को सफलतापूर्वक वापस उतारा गया था। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले रॉकेट झूके-3 को बुधवार सुबह छोड़ा गया। इसके बाद रॉकेट के पहले हिस्से को सफलतापूर्वक वापस उतार लिया गया।

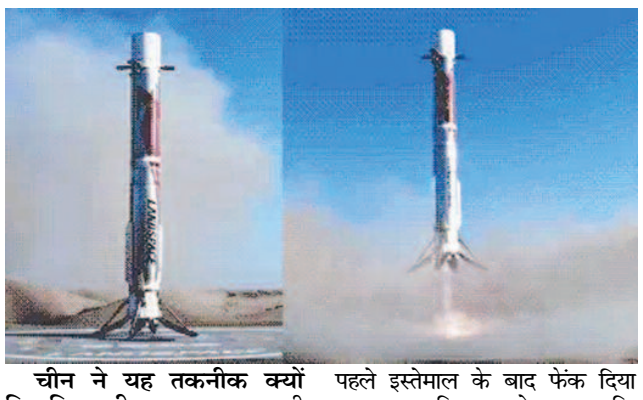

**चीन ने यह तकनीक क्यों विकसित की :** एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स और जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन 2015 से रॉकेटों को वापस उतार रही हैं। इससे रॉकेट के उन हिस्सों को दोबारा इस्तेमाल करके अंतरिक्ष में उपग्रह और दूसरे सामान भेजने की लागत कम करने में मदद मिली है, जिन्हें पहले इस्तेमाल के बाद फेंक दिया जाता था। शिन्हुआ ने बताया कि बुधवार को रॉकेट को वापस उतारते समय चीन ने पहली बार खुलने वाले लैंडिंग पैर का इस्तेमाल किया। एजेंसी ने इसे चीन की दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट की तकनीक में एक बड़ी सफलता बताया।

**समुद्र में कैसे वापस लाया गया था रॉकेट :** 10 जुलाई को लॉन्ग मार्च-10बी रॉकेट का पहला हिस्सा उड़ान भरने के बाद दूसरे हिस्से से अलग हो गया था। इसके बाद वह समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर वापस आया था। उस समय रॉकेट को जाल से पकड़ने वाली व्यवस्था का इस्तेमाल करके वापस हासिल किया गया था। इसके अगले दिन, 11 जुलाई को जापान ने दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले एक प्रयोगात्मक रॉकेट की पहली परीक्षण उड़ान की। रॉकेट ने उड़ान भरने के बाद सुरक्षित तरीके से वापस जमीन पर उतरने में सफलता हासिल की। जापान भी रॉकेट को दोबारा इस्तेमाल करने वाली तकनीक हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इसका मकसद अंतरिक्ष में रॉकेट भेजने की लागत कम करना और दुनिया के अंतरिक्ष बाजार में दूसरी बड़ी ताकतों से मुकाबला करना है।

## ट्रेड वॉर की कगार पर अमेरिका-कनाडा ट्रंप की डेडलाइन से बढ़ी हलचल; क्या आखिरी वक्त में झुकेंगे कार्नी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ विवाद को खत्म करने के लिए बातचीत निर्णायक दौर में पहुंच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार दोपहर 12:01 बजे तक समझौता होने की समयसीमा तय की है। समझौता नहीं होने पर कनाडा से आने वाले करीब 20 अरब डॉलर के सामान पर 50त्न टैरिफ लगाने की धमकी दी गई है। इनमें हॉकी स्टिक, टंग डिप्रेशर समेत कई उत्पाद शामिल हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और ट्रंप पिछले दो दिनों में दो बार फोन पर बात कर चुके हैं। कार्नी ने बातचीत को गहन और नाजुक बताया है और कहा है कि फिलहाल इसके बारे में सार्वजनिक रूप से ज्यादा चर्चा करना उचित नहीं है। दोनों पक्ष आखिरी समय में किसी समझौते तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

**दशकों पुराना व्यापार विवाद :** अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार को लेकर विवाद नया नहीं है। दोनों देश सॉफ्टवुड लकड़ी, डेयरी बाजार और अन्य उत्पादों के व्यापार को लेकर लंबे समय से मतभेद रखते आए हैं। इसके बावजूद दोनों करीबी सहयोगी और महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार बने हुए हैं।

**सीमा पार कारोबार बेहद अहम त्न** करीब 5,525 मील लंबी दोनों देशों की सीमा से रोजाना लगभग 3.3 लाख लोग और करीब 2 अरब डॉलर का सामान गुजरता है। कनाडा के कुल माल निर्यात का लगभग 72त्न अमेरिका जाता है। इसलिए किसी बड़े व्यापार युद्ध का असर दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ सकता है।

**ट्रंप का बदला हुआ रुख :** ट्रंप का मौजूदा रुख पारंपरिक अमेरिकी-कनाडाई संबंधों से काफी अलग है। उन्होंने कनाडाई उत्पादों पर कई टैरिफ लगाए हैं और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने जैसी टिप्पणियां भी की हैं। इन नीतियों से कनाडा में अमेरिका के प्रति नाराजगी बढ़ी है और सरकार पर ट्रंप के सामने कड़ा रुख अपनाने का दबाव है।

**अमेरिका की प्रमुख मांगें :** मौजूदा बातचीत में अमेरिका चाहता है कि कनाडा ज्यादा अमेरिकी सैन्य उपकरण खरीदे, जिनमें स्त्न-35 लड़ाकू विमान भी शामिल हैं। अमेरिका गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम में कनाडा की भागीदारी और महत्वपूर्ण खनिजों तक बेहतर पहुंच भी चाहता है। इसका उद्देश्य चीन से मिलने वाली रणनीतिक खनिज आपूर्ति पर अमेरिकी निर्भरता कम करना है।

दूसरी ओर कनाडा स्टील, एल्युमीनियम और सॉफ्टवुड लकड़ी पर लगाए गए अमेरिकी टैरिफ में राहत चाहता है। अमेरिका का आरोप है कि कनाडाई सॉफ्टवुड उद्योग को सरकार की ओर से अनुचित सब्सिडी मिलती है। कनाडा के लिए बिना ठोस रियायत हासिल किए ट्रंप की मांगों को स्वीकार करना राजनीतिक रूप से भी मुश्किल है।

**धारा 338 से बढ़ा दबाव :** ट्रंप ने कनाडा पर दबाव बढ़ाने के लिए करीब एक सदी पुराने टैरिफ कानून का सहारा लिया है। उन्होंने 1930 के टैरिफ एक्ट की धारा 338 के तहत कनाडाई निर्यात के लगभग 5त्न हिस्से वाले उत्पादों पर 50त्न शुल्क लगाया है। ट्रंप का दावा है कि कनाडा अमेरिकी ऑटोमोबाइल, शराब और चीज के निर्यात के साथ भेदभाव करता है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अमेरिका स्-मेक्सिको-कनाडा समझौते पर फिर से बातचीत की तैयारी कर रहा है।

## टेक्सास में मुस्लिमों के खिलाफ बढ़ती नफरत से क्यों बढ़ी दहशत, बदलते माहौल में क्या है डर की वजह

**टेक्सास, एजेंसी।** टेक्सास में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय में उनके खिलाफ नफरती बयानबाजी और विरोध की घटनाएं बढ़ी हैं। डलास के आसपास के इलाकों में दक्षिणपंथी नेताओं की बयानबाजी ने इस चिंता को और बढ़ाया है। कई मुस्लिम परिवारों का कहना है कि वे बेहतर स्कूल, किफायती घर और मजबूत समुदाय की तलाश में टेक्सास आए थे, लेकिन अब बदलते माहौल को लेकर असुरक्षा महसूस कर रहे हैं।

**गुलाम केहर को परिवार की चिंता क्यों सताने लगी :** गुलाम केहर दो महीने पहले सुबह जल्दी उठकर टेक्सास के इविंग स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने गए थे। इसके बाद वह अमेरिकी तटरक्षक बल के महीनों लंबे अभियान में सेवाएं देने के लिए रवाना हुए। वह पहले भी ऐसे अभियानों में हिस्सा ले चुके थे, लेकिन इस बार घर से निकलते समय उन्हें परिवार की चिंता सता रही थी। उन्होंने ऐसी व्यवस्था करने की कोशिश की कि जरूरत पडने पर कनाडाई सीमा के पास मौजूद अपने तैनाती स्थल तक परिवार पहुंच सके।

**मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ क्या बदला :** टेक्सास में मुस्लिम आबादी पिछले वर्षों में बढ़ी है। डलास-फोर्ट वर्थ महानगर क्षेत्र में 2024 में मुस्लिम आबादी करीब 1.59 लाख बताई गई, जबकि एक दशक पहले यह संख्या लगभग 79 हजार थी। टेक्सास में मुस्लिमों की कुल संख्या तीन से पांच लाख के बीच होने का अनुमान है। राज्य की कुल आबादी में उनका हिस्सा करीब एक से दो प्रतिशत बताया जाता है। हालांकि, अमेरिका की जनगणना में धर्म से जुड़ा सवाल नहीं पूछा जाता, इसलिए सटीक संख्या उपलब्ध नहीं है।

**क्या मुस्लिमों के खिलाफ राजनीति भी तेज हुई है :** टेक्सास में कट्टरपंथी इस्लाम का विरोध लंबे समय से रिपब्लिकन राजनीति का हिस्सा रहा है। लेकिन मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ इस विरोध को लेकर बहस भी तेज हुई है। न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी के मेयर बनने और मिशिगन में सीनेट के लिए अब्दुल

एल-सईद जैसे मुस्लिम नेताओं की राजनीतिक सफलता ने भी राष्ट्रीय स्तर पर इस समुदाय को लेकर चर्चा बढ़ाई है। मुस्लिम नेताओं का कहना है कि इससे राजनीतिक बयानबाजी का असर स्थानीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है।

**टेक्सास सरकार पर क्या आरोप लगाए जा रहे हैं :** मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि मामला केवल नेताओं की बयानबाजी तक सीमित नहीं है। उनके मुताबिक, टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट और अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन जैसे नेताओं ने कछ मस्लिम संस्थाओं की जांच शुरू की है। एबॉट ने उन हवाईअड्डों की सरकारी फंडिंग रोकने की धमकी भी दी, जहां मुस्लिम यात्रियों के लिए वजू की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इन कदमों को लेकर मुस्लिम समुदाय में चिंता बढ़ी है।

**क्या धमकी और विरोध की घटनाएं भी सामने आई हैं :** कुछ मामलों में मुस्लिम समुदाय के लोगों को सीधे धमकियों और विरोध का सामना करना पड़ा। ह्यूस्टन के एक इस्लामिक सेंटर को धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। कॉनरो में एक महिला ने एक किराने की दुकान पर मुस्लिम ग्राहकों से कथित तौर पर कहा कि इस राज्य या देश में उनका स्वागत नहीं है। मैककिने में एक मस्जिद के विस्तार से जुड़ी सिटी काउंसिल की बैठक में भी मुस्लिम विरोधी संदेश के साथ एक घटना सामने आई।

**चुनावी बयानबाजी कितनी तीखी हो गई :** हालिया चुनाव के दौरान रिपब्लिकन नेता बो फ्रेंच की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने भी विवाद खडा किया। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने लिखा कि वह तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक हर मुस्लिम वहां से चला नहीं जाता। ऐसी बयानबाजी को मुस्लिम नेता गंभीर मान रहे हैं। उनका कहना है कि 9/11 के बाद लंबे समय में मुस्लिमों के खिलाफ नफरत का माहौल कम हुआ था, लेकिन अब उन्हें एक बार फिर वैसा ही माहौल लौटता दिखाई दे रहा है।

डलास-फोर्ट वर्थ महानगर क्षेत्र टेक्सास में मुस्लिम समुदाय के प्रमुख केंद्रों में से एक बन गया है। यहां दर्जनों मस्जिदें मौजूद हैं और कुछ नई मस्जिदों का निर्माण भी हो रहा है। तमाम मुस्लिम परिवार बेहतर शिक्षा, अपेक्षाकृत सस्ता घर और अपने समुदाय के बीच रहने के लिए यहां पहुंचे हैं। डेट्रॉयट से इविंग आए तम्मम अलवान का कहना है कि वे अच्छी जिंदगी की तलाश में यहां आए थे, लेकिन अब उन्हें लगता है कि वे मुश्किल स्थिति में फंस गए हैं। वैली रांच मस्जिद के मुस्लिम विद्वान डॉ. उमर सुलेमान का कहना है कि अमेरिकी संविधान धार्मिक सरक्षा देता है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

### 'डॉक्टर ने घर से फोन पर नर्स से कहा- यह इंजेक्शन दे दो'

# सूरत की वात्सल्य जनरल अस्पताल में गर्भवती महिला और गर्भस्थ शिशु की मौत

## डॉ. अजय भुवा बोले- 'इंजेक्शन देना तो ऑन-कॉल होता है ना'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के गोडादरा इलाके में BAMS और BHMS डिग्रीधारी डॉक्टर दंपती द्वारा संचालित वात्सल्य जनरल अस्पताल में 24 घंटे इमरजेंसी सेवा के दावे के बीच गर्भवती महिला और उसके गर्भस्थ शिशु की मौत से हड़कंप मच गया है। अस्पताल संचालक डॉ. अजय विनुभाई भुवा (BAMS) और डॉ. संगीता बेन अजयभाई भुवा (BHMS) में से कोई भी गायनेकोलॉजिस्ट नहीं होने के बावजूद यहां गर्भवती महिला का इलाज किए जाने की बात सामने आई है। इस मामले में पुलिस और डॉक्टर के बयानों में भी स्पष्ट विरोधाभास नजर आ रहा है।

पुलिस के अनुसार सोनोग्राफी रिपोर्ट में महिला के लीवर में सूजन पाई गई थी, जबकि मृतका के भाई ने आरोप लगाया है कि खांसी के लिए डॉक्टर ने फोन पर नर्स को इंजेक्शन देने के निर्देश दिए, जिसके बाद मरीज की हालत बिगड़ गई और वह कोलैप्स हो गई।

मृतका के भाई चंदन अशोक पासवान ने बताया कि 17 अगस्त की शाम करीब 7 बजे उनकी बहन को पेट में असहनीय दर्द हुआ था। इससे पहले उनकी दो डिलीवरी इसी अस्पताल में हुई थीं, इसलिए परिवार तीसरी डिलीवरी और उपचार के लिए उन्हें इसी अस्पताल में लेकर आया था।

अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टर ने महिला को भर्ती कर ड्रिप चढ़ाना शुरू किया। परिवार का आरोप है कि इसके बाद डॉक्टर अस्पताल से घर चले गए और रात के दौरान अस्पताल में कोई जिम्मेदार डॉक्टर मौजूद नहीं था।

परिवार का गंभीर आरोप है कि देर रात महिला को तेज दर्द और गैस की तकलीफ होने के बावजूद डॉक्टर मौके पर नहीं आए। डॉक्टर ने कथित तौर पर घर से फोन पर नर्स को इंजेक्शन और दवा देने के निर्देश दिए।

परिवार ने आरोप लगाया कि अस्पताल के बाहर 24 घंटे इमरजेंसी सेवा का बोर्ड लगा होने के बावजूद उचित सुविधा और विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध नहीं था, जिसके चलते गर्भवती महिला और उसके गर्भस्थ शिशु की जान चली गई।

परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि पत्नी के नाम पर लाइसेंस लेकर अस्पताल में डॉक्टर प्रैक्टिस चला रहे हैं। परिजनों ने अस्पताल को तत्काल सील कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

गोडादरा पुलिस इंस्पेक्टर (PI) वी.बी. गोहिल ने बताया कि महिला को डिलीवरी के लिए नहीं बल्कि दर्द के उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। महिला की डिलीवरी की तारीख करीब एक सप्ताह बाद की थी।

अगली सुबह महिला को अधिक दर्द होने पर सोनोग्राफी कराई गई, जिसमें लीवर में सूजन सामने आने की बात पुलिस ने कही। सुबह इंजेक्शन देने के बाद महिला की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार दोनों डॉक्टर गायनेकोलॉजिस्ट नहीं हैं, बल्कि जनरल प्रैक्टिस करते हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डॉक्टर अजय भुवा ने बताया कि महिला को उपचार और ड्रिप देने के बाद राहत मिली थी, लेकिन बाद में ब्लड रिपोर्ट में संक्रमण सामने आया। महिला को लगातार खांसी होने के कारण नेबुलाइजर शुरू किया गया था।

सुबह खांसी जारी रहने पर ऑन-कॉल निर्देश के अनुसार पैरामेडिकल स्टाफ (नर्स) द्वारा हाइड्रोकॉर्ट इंजेक्शन और भाप दी गई। इसके कुछ समय बाद महिला का ऑक्सीजन लेवल 40-45 तक गिर गया। ऑपरेशन थिएटर में ऑक्सीजन देने के दौरान मरीज कोलैप्स हो गई।

डॉ. अजय भुवा ने दावा किया कि इमरजेंसी में ऑन-कॉल दवा देना सामान्य प्रक्रिया है और मरीज के कोलैप्स होने के समय वह स्वयं मौके पर मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अस्पताल के सभी आवश्यक रजिस्ट्रेशन उपलब्ध हैं और मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट करने के लिए पैनल पोस्टमार्टम कराया जाना चाहिए।

फिलहाल पुलिस ने अस्पताल के लाइसेंस, दस्तावेज, सोनोग्राफी रिपोर्ट और पैनल पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की है। मौत का वास्तविक कारण जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा।

# सूरत के गोविंदा मंडलों को अब पुलिस स्टेशनों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे

## पुलिस कमिश्नर से समिति की बड़ी मांग

**गोविंदा मंडलों को अलग-अलग पुलिस और ट्रैफिक पुलिस स्टेशनों के चक्कर न लगाने पड़ें, एक ही स्थान पर पूरी हो प्रक्रिया**

**गोविंदा उत्सव समिति ने नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर का पुष्पगुच्छ देकर किया स्वागत**

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत: शहर में आगामी गोविंदा उत्सव को ध्यान में रखते हुए गोविंदा मंडलों को अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाने के लिए सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति द्वारा सूरत शहर के पुलिस कमिश्नर श्री वाबांग जमीर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा गया।

समिति के अध्यक्ष श्री गणेशभाई पी. सांवत सहित पदाधिकारियों और प्रमुख सदस्यों ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर गोविंदा मंडलों को उत्सव के लिए अनुमति प्राप्त करते समय अलग-अलग पुलिस स्टेशनों और ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में जाकर जवाब लिखाने की प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की।

समिति ने मांग की कि शहर में निकलने वाले गोविंदा मंडलों के लिए एक ही पुलिस स्टेशन पर आवश्यक जवाब और पूरी प्रक्रिया पूरी करने की व्यवस्था की जाए, ताकि आयोजकों को अलग-अलग पुलिस स्टेशनों और ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के चक्कर न लगाने पड़ें। एक ही स्थान पर आवश्यक कार्रवाई पूरी होने के बाद आसानी से अनुमति मिल सके, ऐसी व्यवस्था करने की मांग पुलिस कमिश्नर के समक्ष रखी गई।

### नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत

इस मुलाकात के दौरान सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति की ओर से नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर श्री वाबांग जमीर का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने गोविंदा उत्सव के दौरान पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने और उत्सव को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित करने में पूरा सहयोग देने की बात कही।

### ये पदाधिकारी और प्रमुख सदस्य रहे मौजूद

पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन देने के लिए समिति के अध्यक्ष श्री गणेशभाई पी. सांवत, श्री दीपकभाई के. कदम, श्री अशोकभाई वाय. धुधाणे, श्री संजयभाई डेविलकर, श्री सुरेशभाई मौर्य (पत्रकार), श्री दीपकभाई शिंदे, श्री संदीपभाई पार्टे, श्री राजूभाई वाळंद, श्री रूपेशभाई कोडाळकर, श्री अभिभाई रोडगे और श्री निशांतभाई मोदी सहित समिति के पदाधिकारी एवं प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

समिति की मुख्य मांग का उद्देश्य गोविंदा मंडलों के आयोजकों के लिए अनुमति प्रक्रिया को वन-विंडो जैसी सरल व्यवस्था में बदलना है, जिससे समय और मेहनत दोनों की बचत हो तथा पुलिस प्रशासन और गोविंदा मंडलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके।

### सूरत में नॉनवेज की बिक्री होगी बंद

# श्रावण मास के दौरान सार्वजनिक

## सड़कों पर नॉनवेज बिक्री रोकने की MLA ने की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

श्रावण मास चल रहा है, ऐसे में सूरत के कारंज इलाके में सार्वजनिक सड़कों और बॉम्बे मार्केट के पास खुलेआम नॉनवेज और अंडे की बिक्री को लेकर विरोध दर्ज कराया गया है।

सूरत में पवित्र श्रावण मास शुरू हो चुका है और पूरे देश में भक्तिमय माहौल है। इसी बीच सूरत के कारंज इलाके में सार्वजनिक सड़कों पर नॉनवेज और अंडों की खुलेआम बिक्री को लेकर विरोध सामने आया है। स्थानीय नागरिकों और धार्मिक संगठनों ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कारंज इलाके में स्थित बॉम्बे मार्केट और आसपास के प्रमुख सार्वजनिक मार्गों पर चल रहे नॉनवेज स्टॉल और अंडे की लारियों को लेकर स्थानीय सोसायटियों और नागरिकों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों को ध्यान में रखते हुए कारंज के विधायक प्रवीण ने सूरत महानगरपालिका के समक्ष आधिकारिक रूप से मांग रखी है।

विधायक ने अपने क्षेत्र में चल रही नॉनवेज की लारियों और दुकानों को तत्काल बंद कराने की मांग की है।

विधायक प्रवीण ने बताया कि उनके कारंज विधानसभा क्षेत्र में बॉम्बे मार्केट के आसपास स्थित झुग्गी-बस्तियों में सड़कों पर ही नॉनवेज का कारोबार होता दिखाई देता है। उन्होंने महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग की टीम को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि श्रावण मास जैसे पवित्र धार्मिक अवसर के दौरान किसी भी कीमत पर सार्वजनिक स्थानों पर नॉनवेज की बिक्री नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार का कारोबार स्थायी रूप से बंद होना चाहिए, लेकिन श्रावण मास के दौरान धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे, इसके लिए तत्काल कार्रवाई करना जरूरी है।

विधायक की स्पष्ट मांग है कि वर्तमान समय में किसी भी सार्वजनिक सड़क या सार्वजनिक स्थान पर इस तरह नॉनवेज की बिक्री नहीं होनी चाहिए।

### सचिन GIDC हत्याकांड

# सब्जी के पैसे मांगने पर हुए विवाद में युवक की हत्या करने वाले शत्रुघ्न निषाद को उम्रकैद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन GIDC इलाके में वर्ष 2023 में सब्जी के पैसों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में एक युवक की हत्या के मामले में अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने आरोपी शत्रुघ्न श्रीरामकिशुन निषाद को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 5 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने की राशि नहीं भरने पर आरोपी को एक माह की अतिरिक्त साधारण कैद भुगतनी होगी।

घटना के अनुसार, 24 सितंबर 2023 को सचिन GIDC स्थित बर्फ फैक्ट्री चार रास्ता के पास शत्रुघ्न निषाद सब्जी की लारी चलाता था। इसी दौरान बागेश्वर उर्फ हिरो राजकुमार राय ने उससे सब्जी खरीदी थी।

शत्रुघ्न ने जब सब्जी के पैसे मांगे तो बागेश्वर ने कथित तौर पर 'मेरे पास पैसे क्यों मांग रहे हो?' कहते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और शत्रुघ्न ने चाकू निकालकर बागेश्वर के पेट और गले समेत शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल बागेश्वर की मौत हो गई।

घटना के बाद सचिन GIDC पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी शत्रुघ्न निषाद को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने मामले की जांच पूरी कर अदालत में चार्जशीट पेश की।

मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने पेश किए गए सबूतों और गवाहों के बयानों के आधार पर शत्रुघ्न निषाद को हत्या का दोषी माना और उसे उम्रकैद तथा 5 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

### वलसाड में 12 PSI का आंतरिक तबादला

# प्रशासनिक सुगमता के लिए SP ने 12 गैर-हथियारबंद

## PSI के तबादले के आदेश दिए, नई जगह तत्काल ज्वाइन करने का निर्देश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिला पुलिस तंत्र में प्रशासनिक सुगमता और कानून-व्यवस्था की व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक युवराजसिंह जाडेजा ने बड़ा आंतरिक फेरबदल किया है। जिले के विभिन्न पुलिस थानों में तैनात 12 गैर-हथियारबंद पुलिस सब-इंस्पेक्टर (PSI) के एक साथ आंतरिक तबादले के आदेश जारी किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, जिले के अलग-अलग पुलिस थानों में कार्यरत PSI को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

तबादला किए गए सभी अधिकारियों को आदेश मिलते ही नई नियुक्ति वाली जगह पर तत्काल कार्यभार संभालने और इसकी जानकारी जिला पुलिस कार्यालय को देने का निर्देश दिया गया है।

इन आंतरिक तबादलों में उमरगाम, सरीगाम, डूंगरा, वापी, पारडी, धरमपुर, कपराडा, भिलाड समेत वलसाड शहर और ग्रामीण क्षेत्र के महत्वपूर्ण पुलिस थानों को शामिल किया गया है। खास तौर पर जिले के सीमावर्ती और औद्योगिक क्षेत्रों में भी PSI के तबादले किए गए हैं, जिसका असर आने वाले दिनों में पुलिस की कार्यप्रणाली पर देखने को मिल सकता है।

कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने का प्रयास

एक साथ 12 PSI के आंतरिक तबादलों से वलसाड जिला पुलिस तंत्र में प्रशासनिक स्तर पर नई व्यवस्था की गई है। नई जगह कार्यभार संभालने के बाद अधिकारियों के सामने स्थानीय कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध पर नियंत्रण और पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने की जिम्मेदारी होगी।

### किसे कहां भेजा गया?

1. एस.के. वसावा — उमरगाम से सरीगाम
2. एस.जे. परमार — डूंगरा से वापी उद्योगनगर
3. डी.एल. वसावा — पारडी से धरमपुर
4. वी.ए. वसावा — धरमपुर से कपराडा
5. एल.एस. पटेल — कपराडा से पारडी
6. ए.डी. डोडिया — वापी टाउन से भिलाड
7. जे.एस. रबारी — भिलाड से उमरगाम
8. ए.बी. गोहिल — वलसाड सिटी से वलसाड ग्रामीण
9. पी.बी. चौधरी — वापी उद्योगनगर से वलसाड सिटी
10. आर.पी. डोडिया — वलसाड ग्रामीण से डूंगरा
11. एच.के. राठौड़ — वलसाड सिटी से वापी टाउन
12. आर.के. प्रजापति — डूंगरा से उमरगाम

### कानून-व्यवस्था और शराबबंदी की उड़ी धज्जियां

# सरकारी स्कूल में रात के समय कुछ लोगों द्वारा

## शराब की महफिल सजाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में कानून-व्यवस्था और शराबबंदी को लेकर सवाल खड़े करने वाली घटना सामने आई है। भेस्तान इलाके के सिद्धार्थ नगर स्थित सरकारी स्कूल में रात के समय कुछ लोगों द्वारा शराब की महफिल सजाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। मामले में पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि स्कूल के सुरक्षा गार्ड को उसकी जिम्मेदारी से हटा दिया गया है। वायरल वीडियो में स्कूल की कक्षा के अंदर रात के अंधेरे में कुछ लोगों के शराब पीने का दावा किया जा रहा है। सरकारी स्कूल परिसर में इस तरह शराब की महफिल आयोजित किए जाने का वीडियो सामने आने के बाद पूरे मामले की चर्चा शुरू हो गई है।

नगर प्राथमिक शिक्षा समिति की ओर से सुरक्षा एजेंसी को नोटिस जारी किया गया है। वहीं, पुलिस ने सरकारी स्कूल में शराब पार्टी करने के आरोप में सुरक्षा गार्ड सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

नगर प्राथमिक शिक्षा समिति ने घटना की गंभीरता को देखते हुए संबंधित सुरक्षा गार्ड को बर्खास्त कर दिया है। साथ ही भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए शहर की सभी स्कूलों को आवश्यक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भेस्तान पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वीडियो कब का है और उसमें दिखाई दे रहे लोग कौन हैं। इसके अलावा स्कूल परिसर में शराब की महफिल किस परिस्थिति में आयोजित हुई, इसकी भी जांच की जा रही है।

शराबबंदी वाले गुजरात में सरकारी स्कूल की कक्षा में ही शराब की महफिल आयोजित किए जाने के दावे ने सूरत पुलिस और स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सवाल यह भी उठ रहा है कि रात के समय स्कूल परिसर में लोग प्रवेश कैसे कर गए और इस पूरे मामले की जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों को क्यों नहीं हुई? फिलहाल भेस्तान पुलिस की जांच के बाद ही वायरल वीडियो की वास्तविकता और इस मामले में शामिल लोगों के संबंध में और जानकारी सामने आएगी।